आषाढ़ कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 320 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 20-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ट्रंप के साथ मुनीर का भोज भारतीय कूटनीति के लिए बड़ा झटका : कांग्रेस

6 दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

7 कांग्रेस के कुछ नेताओं से मेरी राय अलग है : शशि थरूर

फर्स्ट टेक

यूक्रेन के 81 ड्रोन मार गिराये : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस ने यूक्रेन के 81 ड्रोन के मार गिराने का दावा किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में गुरुवार को कहा कि रूसी वायु रक्षा ने रात में 81 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 18 जून को रात 21:20 से 19 जून को सुबह 06:40 बजे तक ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने विमान-प्रकार के मानव रहित 81 यूक्रेनी हवाई वाहनों को नष्ट कर दिया। बाद में कहा गया कि 19 ड्रोन को ब्रांस्क क्षेत्र में, 17 को कुर्स्क क्षेत्र में, 13 को स्मोलेंस्क क्षेत्र में, सात को वोल्गोग्राड क्षेत्र में और छह को ओर्योल क्षेत्र में नष्ट किया गया। रोस्तोव क्षेत्र और क्रीमिया में पांच-पांच ड्रोन को मार गिराया गया। बेलगोरोड और अस्त्राखान क्षेत्रों में तीन-तीन, रियाज़ान क्षेत्र में दो और मॉस्को क्षेत्र में एक ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया गया।

पश्चिमी नेपाल में मीथेन गैस का विशाल भंडार मिला

काठमांडू/भाषा। पश्चिमी नेपाल में कुल मीथेन गैस भंडार लगभग 430 अरब घन मीटर तक पहुंच सकता है, जो संभवतः देश की गैस की मांग को लगभग 50 वर्षों तक पूरा करने के लिए पर्याप्त है। बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। सरकारी दैनिक गोरखापत्र के अनुसार, चीन भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (सीजीएस) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में दैलेख जिले के जलजले क्षेत्र में लक्षित चार कुओं में से केवल एक से प्रारंभिक निष्कर्ष पेश किए गए हैं। इससे देश के घरेलू ऊर्जा स्रोतों का दोहन करने की संभावना बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को नेपाल सरकार के साथ निष्कर्ष साझा किए गए। यह अन्वेषण नेपाल और चीन के बीच 2019 में हस्ताक्षरित एक द्विपक्षीय समझौते के तहत किया गया था।

ईरान-इजराइल युद्ध पर सूचना साझा करने को सहमत हुए पुतिन और शी

मॉस्को/भाषा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय एवं आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' ने बृस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ईरान-इजराइल युद्ध पर संवेदनशील जानकारी एक दूसरे को मुहैया करने के लिए सहमत हुए हैं। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, ''राष्ट्रपति पुतिन और शी चिनफिंग ने फोन पर घंटे भर हुई बातचीत के दौरान अपनी-अपनी एजेंसियों को ईरान के बारे में जानकारी साझा करने के आदेश जारी करने पर सहमति जताई।'' पिछले हफ्ते इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया था, जिसमें ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को ध्वस्त करने का भारत और क्रोएशिया का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ द्वारा नामित सभी आतंकवादियों और आतंकी संगठनों, संबद्ध प्ररोक्ष समूहों, सुविधा प्रदाताओं और आतंकवाद के प्रायोजकों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने का आग्रह किया

जगरेब/भाषा। सभी तरह के आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की निंदा करते हुए भारत और क्रोएशिया ने आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को ध्वस्त करने, सुरक्षित पनाहगाहों को समाप्त करने और दोषियों को शीघ्र न्याय के दायरे में लाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की क्रोएशिया यात्रा के एक दिन बाद 18 जून को जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि इससे द्विपक्षीय साझेदारी में एक नई गति आई है। इसमें दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरकता पर प्रकाश डाला गया, विशेष रूप से पर्यटन, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति के बिगड़ने पर भी चिंता व्यक्त की तथा इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम करने का आह्वान किया।

यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस बाल्कन राष्ट्र की पहली यात्रा थी, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की बढ़ती गति को मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दिए गए समर्थन और एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविक और क्रोएशिया का धन्यवाद व्यक्त किया।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी संयुक्त बयान में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने सभी तरह के आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ की निंदा की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय और सीमा पार आतंकवाद भी शामिल है। उन्होंने आतंकवाद के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' के अपने दृष्टिकोण को दोहराया और कहा कि किसी भी परिस्थिति में ऐसे कृत्यों को उचित नहीं कहा जा सकता।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को ''जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए''। बयान में आतंकवादियों को परोक्ष रूप में इस्तेमाल करने की निंदा की गई।

बयान के अनुसार, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति, इस क्षेत्र में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संधियों और प्रोटोकॉल तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों के पूर्ण कार्यान्वयन का समर्थन करने की अपनी सतत स्थिति व्यक्त की।

अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम करेगी एयर इंडिया

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम की जाएंगी और इस दौरान तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। अहमदाबाद में 12 जून को हुए घातक विमान हादसे के बाद व्यवधानों से जूझ रही टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा कि इसका उद्देश्य कार्यक्रम स्थिरता बहाल करना और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है। विस्तृत घोषणा उस समय की गई है जब एक दिन पहले एयरलाइन ने कहा था कि वह अस्थायी रूप से बड़े आकार वाले विमानों से संचालित उड़ानों में 15 प्रतिशत की कटौती करेगी। एयरलाइन ने बयान में कहा, ये कटौती 21 जून, 2025 से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई, 2025 तक जारी रहेगी। दिल्ली-नैरोबी, अमृतसर-लंदन (गैटविक) और गोवा (मोपा)-लंदन (गैटविक) पर 15 जुलाई तक सेवाएं निलंबित रहेंगी।

भारत ने पांचवीं पीढ़ी का

स्टेल्थ लड़ाकू विमान 'एएमसीए' बनाने की प्रक्रिया शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपनी हवाई शक्ति को बढ़ाने के लिए पांचवीं पीढ़ी का 'स्टेल्थ' लड़ाकू विमान विकसित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत इकाई 'एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी' (एडीए) ने विमान के प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए रुचि पत्र (ईओ) आमंत्रित किए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत सरकार उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के पांच प्रोटोटाइप बनाने की योजना बना रही है। भारत अपनी हवाई शक्ति की क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्नत 'स्टेल्थ' विशेषताओं से युक्त मध्यम वजन वाला लड़ाकू जेट विकसित करने की महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है।

हल्के लड़ाकू विमान तेजस के साथ एएमसीए को भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनाने की योजना है।

नकदी विवादः

कदाचार साबित, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से जले नोटों की कथित बरामदगी की जांच कर रही समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस स्टोर रूम पर ''गुप्त या सक्रिय नियंत्रण'' था, जहां से बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इससे न्यायमूर्ति वर्मा के कदाचार का पता चलता है, जो इतना गंभीर है कि उन्हें (न्यायाधीश को) हटाया जाना चाहिए। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय समिति ने 10 दिनों तक मामले की पड़ताल की, 55 गवाहों से पूछताछ की और न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे लगी आग के परिप्रेक्ष्य में घटनास्थल का दौरा भी किया।

राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है शिक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत जीवन को उन्नत करती है बल्कि राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्वभाव ही निरंतरता है।

वह अजमेर जिले में स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे जिसमें 2024 और 2025 बैच के विद्यार्थियों को उपाधि तथा स्वर्ण पदक प्रदान किये गए ।

प्रधान ने कहा कि शिक्षा का स्वभाव ही निरंतरता है- यह दीक्षांत नहीं, बल्कि आजीवन सीखने (लाइफलॉंग लर्निंग) की यात्रा का एक पड़ाव है। मंत्री ने कहा कि यह अवसर विद्यार्थियों के लिए केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि जीवन के उत्तरदायित्व और राष्ट्रनिर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का स्मरण भी है। उन्होंने कहा कि आज भारत एक सामूहिक संकल्प के साथ विश्व के अग्रणी राष्ट्रों की श्रेणी में स्थान बनाने की ओर अग्रसर है।

प्रधान ने कहा,शिक्षा वह माध्यम है, जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को उन्नत करती है, बल्कि राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। इसी दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बहुविषयक, कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, वैश्विक शिक्षा सहयोग को सशक्त करने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने की अनुमति दी गई है और अब तक आठ विश्वविद्यालयों की स्थापना भी हो चुकी है।

स्विस बैंकों में रखा भारतीयों का धन तीन गुना हुआ

नई दिल्ली/ज्यूरिख/भाषा। स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा भारतीयों का धन 2024 में तीन गुना से अधिक होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 37,600 करोड़ रुपए) हो गया। स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों में रखे कोष में उछाल के साथ जमा राशि में वृद्धि हुई है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक के सालाना आंकड़ों से यह जानकारी मिली। हालांकि, भारतीयों के ग्राहक खातों में जमा धन केवल 11 प्रतिशत बढ़ा और यह 34.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 3,675 करोड़ रुपए) रहा। यह कुल धन का लगभग दसवां हिस्सा है। इससे पहले, 2023 में भारतीय व्यक्तियों और फर्मों द्वारा स्विस बैंकों में जमा धन में 70 प्रतिशत की गिरावट की आई थी और यह चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक पर आ गया था। इसमें स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी जमा राशि शामिल है। बीते वर्ष की जमा राशि 2021 के बाद से सबसे अधिक है।

चार राज्यों की पांच सीट के लिए उपचुनाव शांतिपूर्वक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुधियाना/अहमदाबाद/भाषा। पंजाब, पश्चिम बंगाल, गुजरात और केरल विधानसभा की पांच सीट पर बृहस्पतिवार को उपचुनाव हुए, जिसमें पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर शाम पांच बजे तक सबसे अधिक करीब 70 प्रतिशत मतदान हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे तक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर उपचुनाव शांतिपूर्ण रहा।

गुजरात, पश्चिम बंगाल और पंजाब में मौजूदा विधायकों की मृत्यु के कारण एक-एक सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा जबकि दो विधायकों के इस्तीफे के कारण केरल और गुजरात की एक अन्य सीट पर उपचुनाव हुआ।

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में स्थित कालीगंज सीट पर शाम पांच बजे तक 69.85 प्रतिशत मतदान हुआ।

एक निर्वाचन अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मतदान शांतिपूर्ण रहा। निर्वाचन क्षेत्र में और इसके आसपास कहीं से भी किसी घटना की कोई खबर नहीं है। शाम पांच बजे तक 69.85 प्रतिशत मतदान हुआ।''

सूत्रों ने बताया कि मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता है क्योंकि मतदान समय समाप्त होने के बाद भी मतदाताओं की कतारें लगी हुई थीं।

तृणमूल कांग्रेस के विधायक नसीरुद्दीन अहमद का फरवरी में अचानक निधन होने के कारण इस सीट पर उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। उनकी बेटी अलीफा तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आशीष घोष को अपना उम्मीदवार बनाया है जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार काबिल उद्दीन शेख मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के समर्थन के साथ मैदान में हैं।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरे निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय बलों की चौदह कंपनियां तैनात की गई थीं। कुछ बूथ से मामूली तनाव की खबरें भी आई हैं।

ईरानी मिसाइल ने दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इजराइल की 'मैगन डेविड एडोम' बचाव सेवा के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

बीरशेबा (इजराइल)/एपी। ईरान की एक मिसाइल बृहस्पतिवार तड़के दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल पर गिरी जिससे ''व्यापक पैमाने पर क्षति'' हुई लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। अस्पताल ने यह जानकारी दी। अन्य मिसाइलें तेल अवीव के निकट एक ऊंची इमारत तथा कई अन्य आवासीय भवनों पर गिरीं।

ईरानी मिसाइल हमलों के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता का अस्तित्व नहीं बचेगा।

इजराइल की 'मैगन डेविड एडोम' बचाव सेवा के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

दक्षिणी शहर बीरशेबा में स्थित 'सोरोका मेडिकल सेंटर' से काला धुआं उठता देखा गया और आपातकालीन दलों ने मरीजों को बाहर निकाला। इजराइली मीडिया ने मिसाइल हमले के कारण क्षतिग्रस्त हुईं खिड़कियों और इलाके से उठते घने काले धुएं के फुटेज प्रसारित किए।

इस बीच इजराइल ने ईरान के अराक भारी जल रिएक्टर पर हमला किया। ईरान के विशाल परमाणु कार्यक्रम पर यह हमला संघर्ष के सातवें दिन किया गया। इजराइल ने सात दिन पहले ईरान के सैन्य स्थलों, वरिष्ठ अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाकर अचानक हमले किए जिससे यह संघर्ष शुरू हो गया।

वाशिंगटन स्थित एक ईरानी मानवाधिकार समूह ने बताया कि ईरान में 263 आम नागरिकों सहित कम से कम 639 लोग मारे गए हैं और 1,300 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने करीब 400 मिसाइल और सैकड़ों ड्रोन दागे हैं, जिससे इजराइल में कम से कम 24 लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।

ईरान पर हमला करने या न करने का फैसला दो सप्ताह के भीतर लेंगे ट्रंप

बीरशेबा/एपी। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले दो सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेंगे कि ईरान पर हमला करना है या नहीं। ट्रंप को अब भी इस बात की 'पर्याप्त' संभावना दिखती है कि वार्ता के माध्यम से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और इजराइल की मांगें पूरी हो सकती हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट द्वारा की गई घोषणा में राष्ट्रपति द्वारा ईरान को दी गई चेतावनी की समयसीमा बढ़ा दी गई है।

इजराइली हमलों से कोई भी सुरक्षित नहीं है : नेतन्याहू

यरूशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइली हमलों से ''कोई भी सुरक्षित नहीं है।''

उन्होंने संकेत दिया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी ''निशाने'' पर हो सकते हैं। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी दक्षिणी इजराइली शहर बीरशेबा में 'सोरोका मेडिकल सेंटर' के दौरे के दौरान एक सवाल के जवाब में की, जिस पर बृहस्पतिवार सुबह ईरान ने मिसाइल हमला किया था। नेतन्याहू ने कहा, ''मैंने निर्देश दिए हैं कि कोई भी इससे (हमले से) अछूता नहीं है।'' इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि वह कुछ बोलने में नहीं बल्कि कार्रवाई करके दिखाने में भरोसा करते हैं।

भारत ने इजराइल से अपने नागरिकों को निकालने का फैसला किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपने उन नागरिकों को इजराइल से निकालने का फैसला किया है जो ईरान के साथ जारी संघर्ष के कारण इजराइल में उत्पन्न सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर वहां से निकलना चाहते हैं। इजराइल के बीरशेबा इलाके में एक अस्पताल पर ईरानी मिसाइल के हमले के कुछ घंटों बाद भारत ने अपने नागरिकों को निकालने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''इजराइल और ईरान के बीच हाल में हुए घटनाक्रम के मद्देनजर, भारत सरकार ने उन भारतीय नागरिकों को इजराइल से निकालने का फैसला किया है जो वहां से वापस आना चाहते हैं।'' मंत्रालय ने कहा कि वापस आने के इच्छुक भारतीयों को पहले इजराइल की भूमि सीमा के माध्यम से और उसके बाद हवाई मार्ग से भारत लाया जाएगा।

ईरान से 'सैन्य सहायता' के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे इजराइल के खिलाफ चल रहे युद्ध में ईरान से किसी भी सैन्य सहायता के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। पाकिस्तान ने, हालांकि इस बात पर भी जोर दिया कि इस्लामिक गणराज्य को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने यहां साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''ईरान पर पाकिस्तान की स्थिति स्पष्ट और पारदर्शी है: हम ईरान को पूर्ण नैतिक समर्थन प्रदान करते हैं; हम ईरान के खिलाफ आक्रामकता की कड़ी निंदा करते हैं।'' खान ने कहा कि ईरान की सीमा से लगे पाकिस्तान में वहां के शरणार्थियों को शरण देने के लिए तेहरान से कोई अनुरोध नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''ईरान ने हमसे अब तक किसी भी तरह की सैन्य सहायता नहीं मांगी है।''

20-06-2025 सूर्यास्त 6:37 बजे | 21-06-2025 सूर्योदय 5:43 बजे

BSE	NSE
81,361.87	24,793.25
(-82.79)	(-18.80)

सोना	चांदी
10,441 रु.	120,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीक-युग

हो रही लीक अब कविताएं,
शायर कवि हैं सारे अवाक।
पेपर जब लीक हुए सारे,
हो गई परीक्षा तभी खाक।
डाटा भी लीक हुए जाते,
करते निजता में ताक-झाँक।
हो रहे करेक्टर आज लीक,
यह दौर बड़ा ही शर्मनाक।।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के सात दिन बाद भी मलबा बिखरा हुआ है; जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान हादसे के एक सप्ताह बाद भी उसके पिछले हिस्से सहित मलबा अब भी घटनास्थल पर बिखरा पड़ा है क्योंकि जांचकर्ता पूरी घटना की जांच कर रहे हैं और हादसे की वजह का पता लगाने के लिए सुरगों की तलाश में हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों सहित कुल 270 लोगों की मौत हुई है।

अहमदाबाद से चालक दल सहित 242 लोगों को लेकर लंदन के गैटविक जा रहा बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को दोपहर 1.39 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही क्षण बाद मेघाणी नगर में चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रावास के ऊपर गिर गया था। हादसे के बाद विमान के साथ-साथ छात्रावास की इमारतों में आग लग गई और यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और जमीन पर मौजूद लोगों सहित 270 लोगों की जान चली गई।

'अहमदाबाद हवाई अड्डे के आसपास के इलाकों का सर्वेक्षण किया जाएगा'

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए 12 जून को उड़ान भरने के कुछ ही क्षण के बाद एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के मद्देनजर सरदार वल्लभभाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के इलाकों का सर्वेक्षण कराया जाएगा। अमदाबाद जिले के एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एअर इंडिया के उक्त बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में चालक दल के 12 सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे जो अहमदाबाद के मेघाणी नगर क्षेत्र में एक मेडिकल छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने और इसके बाद लगी आग में यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और जमीन पर मौजूद लोगों सहित कुल 270 लोगों की मौत हो गई।

अहमदाबाद के जिला कलेक्टर सुजीत कुमार ने संवाददाताओं को बताया, ''नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, अहमदाबाद नगर निगम और नागरिक विमानन विभाग के अधिकारियों द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''सर्वेक्षण पूरा हो जाने के बाद, आगामी आवश्यक कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।''

कुमार ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी विमान (बाधाओं का विध्वंस) नियम, 2025 के मसौदे का हवाला दिया, जिसमें हवाई अड्डों के पास विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर नियंत्रण कड़ा करने की बात कही गई है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय का एक प्रभाग, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) इस जांच का नेतृत्व कर रहा है और इसके सदस्य हाल के समय में हुई सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक की जांच के तहत घटनास्थल का दौरा कर रहे हैं। अहमदाबाद के अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी जयेश खड़िया ने बताया कि गुजरात सरकार ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि जांच में उसकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन स्थानीय अग्निशमन कर्मी दुर्घटना स्थल पर चल रही जांच में फोरेंसिक और विमानन विशेषज्ञों की मदद कर रहे हैं। खड़िया ने बताया कि विमान का पिछला हिस्सा दुर्घटना के बाद चिकित्सा महाविद्यालय छात्रावास परिसर में कैंटीन की क्षतिग्रस्त इमारत के ऊपर फंस गया और दुर्घटना के दो दिन बाद 14 जून को क्रेन की मदद से इसे उतारा गया। उन्होंने बताया, ''पिछले हिस्से सहित मलबा अब भी घटनास्थल पर पड़ा हुआ है। मलबे को किसी अन्य स्थान पर ले जाने का कोई आदेश नहीं है।'' मेघाणी नगर पुलिस थाने के निरीक्षक डीबी बसिया ने कहा कि एएआईबी विमान के मलबे को लेकर फैसला करेगी। बसिया के थानाक्षेत्र के अंतर्गत यह दुर्घटनास्थल आता है। उन्होंने कहा, ''पुलिस की भूमिका घटनास्थल की सुरक्षा तक सीमित है। विमान का मलबा अब भी वहीं पड़ा है। एएआईबी तय करेगी कि इसके साथ क्या करना है। यह संभव है कि भविष्य में एएआईबी मलबे को जांच के लिए किसी अन्य स्थान पर ले जाए।''

डीएनए जांच से 215 मृतकों की पहचान हुई, 198 शव परिजन को सौंपे गए

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे में 270 लोगों की मौत होने के एक सप्ताह बाद 215 मृतकों की, डीएनए मिलान के जरिए अब तक पहचान कर ली गई है और 198 शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति को छोड़कर विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई थी और जमीन पर मौजूद अन्य 29 लोग मारे गए थे।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना :

सह-पायलट क्लाइव कुंदर को रिश्तेदारों और दोस्तों ने दी अंतिम विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अहमदाबाद में पिछले सप्ताह दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया विमान के सह-पायलट फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर को बृहस्पतिवार को गमगीन परिवार के सदस्यों और दोस्तों सहित सैकड़ों लोगों ने भावभीनी अंतिम विदाई दी।

सह-पायलट फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर का मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि क्लाइव कुंदर का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार सुबह मुंबई में उनके घर लाया गया। इसके बाद दोपहर में कुंदर का अंतिम संस्कार सेवरी ईसाई कब्रिस्तान में किया गया पायलट की तस्वीरें हाथों में लेकर कई लोग नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई देते देखे गए। एक अधिकारी ने बताया कि सह-पायलट का पार्थिव शरीर विमान से मुंबई हवाई अड्डा लाया गया और इसके बाद उनके परिवार के सदस्य गोरेगांव (पश्चिम) में राम मंदिर रोड स्थित उनके आवास पर ताबूत लेकर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि कुंदर के अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को दोपहर एक बजे तक उनके घर पर रखा गया। इसके बाद सेवरी ईसाई कब्रिस्तान में उनके पार्थिव शरीर को दफनाया गया।

कुंदर के कई दोस्त और रिश्तेदार तथा स्थानीय निवासी श्रद्धांजलि देने के लिए उनके निवास पर एकत्र हुए तथा बाद में उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। लंदन जा रहा एअर इंडिया विमान एआई-171 अहमदाबाद में 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में, विमान में सवार 241 लोग मारे गए थे जबकि एक यात्री चमत्कारिक रूप से बच गया था। जिस चिकित्सा संस्थान परिसर में विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, वहां 29 लोग मारे गए थे। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बयान में बताया था कि इस विमान को कैप्टन सुमित सभरवाल और सह-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। सभरवाल के पास 8,200 घंटे तक विमान उड़ाने का अनुभव था जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे तक विमान उड़ाने का अनुभव था। विमान ने दोपहर एक बजकर 39 मिनट पर अहमदाबाद से उड़ान भरी थी। विमान के पायलट (सभरवाल) ने अहमदाबाद में वायु यातायात नियंत्रण को उड़ान भरने के तुरंत बाद 'मेडे' संदेश भेजा जो पूरी तरह से आपात स्थिति को दर्शाता है।

दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का अच्छी तरह से रखरखाव किया गया था : एअर इंडिया सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एअर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुर्घटनाग्रस्त हुए बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर का ''अच्छी तरह से रखरखाव'' किया गया था तथा इस विमान की आखिरी बार गहन जांच जून 2023 में की गई थी और अगली जांच दिसंबर 2025 में होनी थी। यात्रियों को दिये एक संदेश में, एअर इंडिया प्रमुख ने यह भी कहा कि अगले कुछ सप्ताह के लिए कंपनी के बड़े विमानों के बेड़े के परिचालन में 15% की कटौती एक अस्थायी कदम है।

उन्होंने कहा, ''विमान का रखरखाव अच्छी तरह से किया गया था, आखिरी बार इसकी गहन जांच जून 2023 में की गई थी और अगली जांच दिसंबर 2025 में होनी थी। इसके दाहिने इंजन की मार्च 2025 में मरम्मत की गई थी और बाएं इंजन की जांच अप्रैल 2025 में की गई थी। विमान और इंजन दोनों की नियमित रूप से जांच की गई थी, जिनमें उड़ान से पहले कोई समस्या नहीं दिखी थी।'' एयरलाइन के साथ-साथ पूरा विमानन उद्योग इस त्रासदी के कारण को जानने के लिए आधिकारिक जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। विश्वास बहाली के उपाय के रूप में एयरलाइन बोइंग 787 और 777 बेड़े की उड़ान-पूर्व सुरक्षा जांच और बढ़ा रही है। विल्सन ने कहा कि इन अतिरिक्त जांचों में लगने वाले समय और उड़ानों के परिचालन पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, एअर इंडिया ने 20 जून से लेकर मध्य जुलाई तक बड़े विमानों वाली अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में लगभग 15% की कटौती करने का फैसला किया है। इससे हमें किसी भी अप्रत्याशित समस्या से निपटने के लिए अधिक विमान तैयार रखने में मदद मिलेगी। हमें लगता है कि हमारे उड़ान परिचालन में यह अस्थायी कमी आपकी यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकती है। हमें किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है।''

टाटा स्मारक केंद्र / TATA MEMORIAL CENTRE
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान
A Grant-in-Aid Institution under Department of Atomic Energy, Government of India.

Advt. No.: TMC/AD-67/2025 उपलब्ध पद / POSITIONS AVAILABLE 10.06.2025

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) निम्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करती है / Tata Memorial Centre(TMC) invites applications for the following posts :

	स्थान/LOCATION : एचबीसीएच/एमपीएमएमसी, वाराणसी HBCH / MPMMC, VARANASI		स्थान / LOCATION : टीएमएच, मुंबई / TMH,MUMBAI
1	कन्सल्टंट 'ई' (प्लास्टिक सर्जरी) / CONSULTANT 'E' (PLASTIC SURGERY)	1	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (ॲनेस्थेसियोलॉजी) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (ANESTHESIOLOGY)
2	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (बोन मॅरो ट्रांसप्लांट) (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (BONE MARROW TRANSPLANT) (MEDICAL ONCOLOGY)	2	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (INTERVENTIONAL RADIOLOGY)
3	कन्सल्टंट 'ई' (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी) / CONSULTANT 'E' (GASTROENTEROLOGY)	3	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (MEDICAL ONCOLOGY)
4	कन्सल्टंट 'ई' (रेडियोडायग्नोसिस) / CONSULTANT 'E' (RADIODIAGNOSIS)	4	कन्सल्टंट 'डी' (जनरल मेडिसिन) / CONSULTANT 'D' (GENERAL MEDICINE)
5	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) (एडल्ट हेमटोलिम्फोईड) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (MEDICAL ONCOLOGY) (ADULT HAEMATOLYMPHOID)	5	कन्सल्टंट 'डी' (डेंटल एवं प्रोस्थेटिक सर्जरी) / CONSULTANT 'D' (DENTAL & PROSTHETIC SURGERY)
6	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) (सॉलिड ट्युमर) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (MEDICAL ONCOLOGY) (SOLID TUMOR)	6	वैज्ञानिक अधिकारी 'एसबी' (पॅथोलॉजी) / SCIENTIFIC OFFICER 'SB' (PATHOLOGY)
7	कन्सल्टंट 'ई' (युरो ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'E' (URO ONCOLOGY)	7	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (रेडियोडायग्नोसिस) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (RADIODIAGNOSIS)
8	कन्सल्टंट 'डी' (जनरल मेडिसिन) / CONSULTANT 'D' (GENERAL MEDICINE)	8	वैज्ञानिक सहायक 'बी' (सूचना प्रौद्योगिकी -प्रोग्रामर) / SCIENTIFIC ASSISTANT 'B' (INFORMATION TECHNOLOGY - PROGRAMMER)
9	कन्सल्टंट 'डी' (बायोकेमिस्ट्री) / CONSULTANT 'D' (BIOCHEMISTRY)	9	टेक्नीशियन 'ए' (मैकेनिकल) / TECHNICIAN 'A' (MECHANICAL)
10	कन्सल्टंट 'डी' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (MEDICAL ONCOLOGY)		स्थल / LOCATION: बीबीसीआय,गुवाहाटी / BBCI, Guwahati
11	वैज्ञानिक अधिकारी 'एसबी' (रेडियो डायग्नोसिस) / SCIENTIFIC OFFICER 'SB' (RADIO DIAGNOSIS)	1	कन्सल्टंट 'ई' (प्लास्टिक सर्जरी) / CONSULTANT 'E' (PLASTIC SURGERY)
12	वैज्ञानिक अधिकारी 'एसबी' (ऑक्युपेशनल थेरपी) / SCIENTIFIC OFFICER 'SB' (OCCUPATIONAL THERAPY)	2	कन्सल्टंट 'ई' (रेडियोडायग्नोसिस) / CONSULTANT 'E' (RADIODIAGNOSIS)
13	क्लिनिकल सायकोलॉजिस्ट / CLINICAL	3	असिस्टंट प्रोफेसर 'ई' (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) / ASSISTANT PROFESSOR 'E' (SURGICAL ONCOLOGY)
14	टेक्नीशियन 'सी' (मॉलिक्यूलर पॅथोलॉजी) / TECHNICIAN 'C' (MOLECULAR PATHOLOGY)	4	कन्सल्टंट 'डी' (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) / CONSULTANT 'D' (MEDICAL ONCOLOGY)
15	टेक्नीशियन 'सी' (रेडियोडायग्नोसिस) / TECHNICIAN 'C' (RADIODIAGNOSIS)	5	सहायक चिकित्सा अधीक्षक - I / ASSISTANT MEDICAL SUPERINTENDENT - I
16	सहायक प्रशासनिक अधिकारी (क्रय एवं भंडार) / ASSISTANT ADMINISTRATIVE OFFICER (PURCHASE AND STORES)	6	वैज्ञानिक अधिकारी 'डी' (न्युक्लियर मेडिसिन) (रेडिएशन सेफ्टी ऑफिसर लेवल - III / SCIENTIFIC OFFICER 'D' (NUCLEAR MEDICINE) (RADIATION SAFETY OFFICER LEVEL - III)
		7	वैज्ञानिक अधिकारी 'डी' (मॉलिक्यूलर लॅबोरेटरी) SCIENTIFIC OFFICER 'D' (MOLECULAR LABORATORY)
	ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 11.07.2025 है / Last date for online application is 11.07.2025 (शाम 05.30 बजे तक) (upto 05.30 PM ; IST)	8	वैज्ञानिक अधिकारी 'डी' (मॉलिक्यूलर पॅथोलॉजी) / SCIENTIFIC OFFICER 'D' (MOLECULAR PATHOLOGY)
		9	वैज्ञानिक अधिकारी 'सी' (मॉलिक्यूलर पॅथोलॉजी) / SCIENTIFIC OFFICER 'C' (MOLECULAR PATHOLOGY)
	अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें / For details, please visit our website: http://tmc.gov.in and click "Careers" Advt. No.67/2025 CBC48149/12/0002/2526	10	वैज्ञानिक अधिकारी 'एसबी' (ट्रायल कोऑर्डीनेटर) / SCIENTIFIC OFFICER 'SB' (TRIAL COORDINATOR)
		11	महिला नर्स 'सी' / FEMALE NURSE 'C'
		12	महिला नर्स 'ए' / FEMALE NURSE 'A'
		13	सहायक प्रशासनिक अधिकारी / ASSISTANT ADMINISTRATIVE OFFICER

गोविंद गौड़े को मंत्रिमंडल से हटाना मेरा फैसला : मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि कला एवं संस्कृति मंत्री गोविंद गौड़े को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने का फैसला उनका है। हालांकि, सावंत ने इस फैसले के कारण के बारे में नहीं बताया। यहां 'मंत्रालय' (राज्य सरकार के सचिवालय) के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में सावंत ने फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना से इनकार किया।

गौड़े को बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। गौड़े ने करीब एक महीने पहले आदिवासी कल्याण विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, जिसका प्रभार सावंत के पास है। गौड़े को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, '' यह मेरा फैसला था।'' यह पूछे जाने पर कि क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना है, उन्होंने कहा, ''अभी तक कुछ नहीं।'' सावंत ने कहा कि जब भी मंत्रिमंडल में कोई बदलाव होगा तो वह मीडिया को इस बारे में सूचित करेंगे। गौड़े ने 26 मई को राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के आदिवासी कल्याण विभाग को अक्षम करार दिया था और दावा किया कि इसके अधिकारी फाइलों पर हस्ताक्षर करने के लिए रिश्वत ले रहे हैं। भाजपा ने गौड़े के इस बयान की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें कार्रवाई की चेतावनी दी थी। गौड़े के दावों को आधार बनाकर कांग्रेस ने राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई से मांग की थी कि वह राज्य सरकार को 'व्यापक भ्रष्टाचार' के लिए बर्खास्त करें। आदिवासी नेता गौड़े (53) उत्तरी गोवा के प्रियोल से भाजपा विधायक हैं। भाजपा के राज्य विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने मार्च 2022 में मंत्री पद की शपथ ली थी।

राहुल 55 साल के हुए, प्रधानमंत्री और खरगे समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बृहस्पतिवार को 55 साल के हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दलों के नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की। कांग्रेस के कई नेताओं ने ''सामाजिक न्याय की लड़ाई'' के लिए राहुल गांधी की सराहना की तो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के साथ उनका रिश्ता खून का भले न हो, लेकिन विचार, नजरिए और उद्देश्य का जरूर है। राहुल गांधी का जन्म 19 जून, 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ज्येष्ठ संतान हैं। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य और नेता प्रतिपक्ष हैं। वह अपने जन्मदिन पर कांग्रेस के पूर्व मुख्यालय '24 अकबर रोड' पहुंचे जहां पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

आरबीआई ने बैंकों, एनबीएफसी के लिए परियोजना वित्त संबंधी नए मानक जारी किए

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों, एनबीएफसी और अन्य विनियमित संस्थाओं द्वारा बुनियादी ढांचा एवं गैर-बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में परियोजनाओं के वित्तपोषण के एक सुसंगत ढांचे के लिए बृहस्पतिवार को मानदंड जारी किए।

'आरबीआई (परियोजना वित्त) निर्देश, 2025' मौजूदा निर्देशों की समीक्षा और ऐसे वित्तपोषण में निहित जोखिमों के विश्लेषण की पृष्ठभूमि में ऐसी परियोजनाओं के 'वाणिज्यिक संचालन शुरू करने की तारीख' (डीसीसीओ) में बदलाव पर संशोधित नियामकीय उपचार निर्धारित करता है।

आरबीआई ने कहा कि इन निर्देशों में परियोजना वित्त जोखिमों में दबाव के समाधान के लिए एक सिद्धांत-आधारित व्यवस्था को अपनाना शामिल है, जो तमाम विनियमित इकाइयों (आरई) के लिए है।

इसमें बुनियादी ढांचा एवं गैर-बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए वाणिज्यिक संचालन शुरू करने की तारीख में क्रमशः तीन साल एवं दो साल के अधिकतम विस्तार का प्रावधान है।

नवीनतम मानदंडों में परियोजनाओं को मोटे तौर पर तीन चरणों- डिजाइन, निर्माण और परिचालन में विभाजित किया गया है।

आरबीआई ने कहा, ''निर्माणाधीन परियोजनाओं में जहां ऋणदाताओं का कुल जोखिम 1,500 करोड़ रुपए तक है, किसी भी व्यक्तिगत ऋणदाता का जोखिम कुल जोखिम के 10 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए।''

पुरुषों के मुकाबले महिला अपराधियों से अलग व्यवहार क्यों?

नई दिल्ली/भाषा। महिला और पति की कथित 'हत्यारिन' की दोहरी पहचान के कारण सोनम, मुस्कान, शिवानी, रवीना, राधिका... पिछले कुछ महीनों में न केवल सुर्खियों में रहीं और बदनामी पायी बल्कि उन्होंने स्त्रीत्व और अपराध के बारे में पारंपरिक धारणाओं को भी चुनौती दी है।

देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहीं ये युवतियां रोजमर्रा की अपनी साधारण जिंदगी जी रही थीं लेकिन अपने पतियों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के बाद वे रातोंरात सुर्खियों में आ गयीं। छोटे शहरों की इन औरतों ने सबसे क्रूर तरीके से महिलाओं के लिए समाज में सदियों से गढ़ी धारणाओं को तोड़ा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर स्त्रीद्वेषी 'मीम्स' और चुटकलों का दौर चल पड़ा। सवाल कई हैं - महिलाएं अपराध क्यों करती हैं, उनके साथ पुरुष अपराधियों से अलग व्यवहार क्यों किया जाता है, क्या वे सशक्तीकरण का प्रदर्शन कर रही हैं या फिर यह संकेत दे रही हैं कि वास्तव में वे अबला नारी हैं। विद्वानों का मानना है कि यह सामाजिक कलंक, कठोर लैंगिक भूमिकाओं और महिलाओं के लिए अवास्तविक मानदंडों की मिलीजुली प्रतिक्रिया है। ब्रिटिश अपराध विज्ञानी फ्रांसिस हीडेनसॉन ने इस कड़ी सामाजिक प्रतिक्रिया को 'डबल डेविएंस थ्योरी' बताया यानी कि ऐसे अपराध की स्थिति में महिलाओं के साथ पुरुषों की तुलना में ज्यादा कठोर बर्ताव किया जाता है और समाज उन्हें दोहरे चश्मे से देखता है क्योंकि महिलाओं के लिए मान लिया गया है कि उन्हें किस तरह से व्यवहार करना चाहिए और उनके लिए कुछ स्वीकार्य सामाजिक नियम गढ़े गए हैं।

वेदांता की नजरें अब विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक भूमिका पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खनन समूह वेदांता लि. के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कंपनी के लिए एक व्यापक बदलाव का खाका पेश किया है। इसमें उन्होंने कंपनी को वृद्धि के अगले चरण में ले जाने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में विश्व की अग्रणी इकाई के रूप में स्थापित करने की बात कही है और इसे वेदांता-2.0 नाम दिया गया है।

अग्रवाल ने समूह की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा है कि कंपनी एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इसकी वजह अबतक का सबसे शानदार वित्तीय प्रदर्शन, लागत के मोर्चे पर अच्छी स्थिति और विभिन्न कारोबार के अलग होने की प्रक्रिया है, जो अब लगभग पूरी होने वाली है। उन्होंने समूह के रणनीतिक पुनर्गठन, एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत के बुनियादी ढांचे के निर्माण और ऊर्जा बदलाव में बढ़ती भूमिका के महत्व का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 वेदांता के लिए मजबूत प्रदर्शन का वर्ष रहा है। हमने 1,50,725 करोड़ रुपए का अपना अबतक का सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया, जबकि हमारी ईबीआईटीडीए (कर पूर्व आय) 19 प्रतिशत बढ़कर 43,541 करोड़ रुपए हो गया, जिससे उद्योग में सबसे अधिक 34 प्रतिशत मार्जिन प्राप्त हुआ। यह सब चुनौतीपूर्ण माहौल में हासिल किया गया। उन्होंने कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी ने अपने सभी कारोबारी क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया। हमारा एल्युमिनियम और जिंक कारोबार वैश्विक लागत में सबसे आगे रहा। जिंक इंटरनेशनल, आयरन ओर और स्टील कारोबार में भी मजबूत सुधार हुआ, जिससे वेदांता कई क्षेत्रों में अग्रणी बनी रही। वेदांता ने अपनी नकदी बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए। कंपनी ने 8,500 करोड़ रुपए के पात्र संस्थागत नियोजन और हिंदुस्तान जिंक में बिक्री पेशकश के जरिये 3,134 करोड़ रुपए जुटाए।

कीझाडी मामले में निष्कर्षों को छिपाने का भाजपा का प्रयास तमिल गौरव के प्रति नफरत दर्शाता है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य के शिवगंगा जिले में कीझाड़ी के प्राचीन उत्खनन स्थल के निष्कर्षों को स्वीकार न करने और अंतिम रिपोर्ट को नजरअंदाज करने की भाजपा सरकार की कोशिश दिखाती है कि तमिल गौरव से उसे कितनी नफरत है।

उन्होंने दावा किया कि वैज्ञानिक परिणामों से समर्थित सभी अध्ययनों के बावजूद, केंद्र सरकार कीझाड़ी उत्खनन रिपोर्ट के प्रकाशन में देरी करके तमिलों के सांस्कृतिक गौरव को छिपाने की कोशिश कर रही है और अंतिम रिपोर्ट जमा होने के दो साल बाद भी अतिरिक्त सबूत पेश करने में विफल रही है।

स्टालिन ने पार्टी कार्यकर्ताओं को लिखे पत्र में कहा, यह तमिल संस्कृति और गौरव पर भाजपा सरकार का एक स्पष्ट हमला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा काल्पनिक सरस्वती सभ्यता को बढ़ावा देकर द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक को नष्ट करना चाहती है। सरस्वती सभ्यता के लिए विश्वसनीय साक्ष्यों का अभाव है, जबकि तमिल संस्कृति की सिद्ध प्राचीनता को खारिज कर दिया गया है। विश्व स्तरीय वैज्ञानिक कीझाडी से प्राप्त कलाकृतियों पर शोध कर रहे हैं।

स्टालिन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया है। तमिल गौरव के प्रति इस पार्टी की नीतियों में कितनी नफरत भरी हुई है। भाजपा सरकार ने पुरातत्व खुदाई करने वाले निदेशक अमरनाथ रामकृष्ण को असम स्थानांतरित करके तमिल संस्कृति के प्रति अपनी नफरत को स्पष्ट रूप से दर्शाया है।

रामकृष्ण ने कीझाड़ी उत्खनन पर 2016 में प्रारंभिक रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को सौंपी थी और कानूनी लड़ाई के बाद उन्होंने काम फिर से शुरू किया था। स्टालिन ने कहा, कीझाडी उत्खनन से यह स्पष्ट है कि तमिलों की वैगई नदी सभ्यता लगभग 2,500 से 3,000 वर्ष पुरानी है। यह केवल वैचारिक जानकारी नहीं है।

केरल उच्च न्यायालय ने जहाज को सशर्त जब्त करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि (केरल)/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को आदेश दिया कि लाइबेरियाई ध्वज वाले जहाज एमएससी पोलो द्वितीय को तब तक जब्त रखा जाए, जब तक कि उसकी मूल कंपनी केरल तट पर एमएससी एल्सा 3 के डूबने के कारण माल की हानि के लिए समुद्री दावे के तहत 73.49 लाख रुपये जमा नहीं कर देती है।

न्यायमूर्ति एम ए अब्दुल हकीम ने केरल की एक काजू कंपनी 'सेंस कैश्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 24-25 मई के बीच एमएससी एल्सा 3 के डूबने के बाद उसके माल से भरे कंटेनर समुद्र में खो गए थे। काजू कंपनी ने अपने मुकदमे में दावा किया है कि जहाज ''यांत्रिक, तकनीकी दोषों या उचित देखभाल के अभाव में और जहाज की अयोग्यता तथा चालक दल की अक्षमता की वजह से जहाज में कंटेनरों के अनुचित भंडारण के कारण'' डूब गया।

कंपनी ने दावा किया कि एमएससी एल्सा 3 और एमएससी पोलो द्वितीय सहयोगी जहाज हैं और इनका मालिकाना हक एमएससी मेडिटेरेनियन शिपिंग कॉ एसए के पास है।

उसने अपना सामान खोने के बदले में 73,49,596 रुपये का हर्जाना मांगा है। उसने एक अंतरिम याचिका दायर कर हर्जाना मिलने तक एमएससी पोलो द्वितीय को कब्जे में लेने का अनुरोध किया है।

शिपिंग कंपनी ने अनुरोध किया कि अदालत सशर्त जब्ती का आदेश जारी न करे क्योंकि वह जुर्माना राशि जमा कर देगी। उसने यह भी दावा किया कि जहाज एमएससी पोलो द्वितीय बंदरगाह से 14 समुद्री मील दूर है और इसलिए अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इन दलीलों को खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि यदि सुरक्षा राशि जमा करने तक सशर्त जब्ती का आदेश दिया जाता है तो शिपिंग कंपनी को कोई नुकसान नहीं होगा।

केरल पुलिस ने 11 जून को जहाज के मालिक, मास्टर और चालक दल के खिलाफ लापरवाही से जहाज चलाने का मामला दर्ज किया था।

कीलाडी उत्खनन

पुरातत्वविद् रामकृष्ण का तबादला, द्रमुक सांसद ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तमिलनाडु में कीलाडी उत्खनन का नेतृत्व करने के लिए जाने जाने वाले पुरातत्वविद् अमरनाथ रामकृष्ण को यहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) मुख्यालय से स्थानांतरित कर दिया गया है और अब वह केवल राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) के निदेशक का प्रभार संभालेंगे। इससे पहले, वह एएसआई मुख्यालय में निदेशक (पुरातत्व) के साथ साथ ग्रेटर नोएडा में एनएमएमए के निदेशक भी थे। सत्रह जून के एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, रामकृष्ण को तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक स्थानांतरित कर दिया गया है।

रामकृष्ण ने कीलाडी उत्खनन पर हाल ही में एएसआई को सौंपी गई अपनी व्यापक रिपोर्ट का बचाव किया था। एएसआई संस्कृति मंत्रालय के तहत में आता है और इसका मुख्यालय दिल्ली में धरोहर भवन में है। अधिकारी ने कहा, यह नियमित प्रक्रिया है। महानिदेशक (एएसआई) के पास यह निर्णय लेने का विशेषाधिकार है कि किसे कौन सा विभाग दिया जाए। वह पहले से ही निदेशक के रूप में एनएमएमए का कार्यभार संभाल रहे थे। दस जून को केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि शिवगंगा जिले के कीलाडी में एक प्राचीन सभ्यता पर एएसआई के निष्कर्षों को मान्यता देने के लिए विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है। उनके बयानों पर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के कुछ सदस्यों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के राज्यसभा सदस्य पी विल्सन ने रामकृष्ण के तबादले की आलोचना की है। उन्होंने कहा, मैं पुरातत्वविद् थिरु अमरनाथ रामकृष्ण के अपमानजनक और सत्तावादी तबादले की कड़ी निंदा करता हूं, जिन्होंने अपने वर्तमान पद पर रहते हुए कीझाड़ी उत्खनन का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा, यह सर्वविदित है कि कैसे भाजपा सरकार ने रामकृष्ण के निष्कर्षों को बदलने के लिए उन पर सभी मोर्चों पर दबाव डाला और उन्होंने झुकने से इनकार कर दिया। चूंकि रिपोर्ट को आधिकारिक रूप से जारी करने का दबाव बढ़ रहा था, इसलिए भाजपा उनके स्थान पर एक जी हुजूरी करने वाले व्यक्ति को लाने का प्रयास कर रही है जो रिपोर्ट को वापस ले लेगा और निष्कर्षों को महत्वहीन कर देगा।

भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, एएसआई के एक अधिकारी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कदम किसी तरह की राजनीति से जुड़ा है, यह पूरी तरह से एक तकनीकी स्थानांतरण है जो विभाग के अंदर होता रहता है। यह पूरी तरह से एक आंतरिक तबादला है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने 13 जून को आरोप लगाया था कि भाजपा ने विश्वसनीय सबूतों के बिना पौराणिक सरस्वती सभ्यता को बढ़ावा दिया, जबकि तमिल संस्कृति की प्राचीनता को खारिज कर दिया।

ईडी ने उच्च न्यायालय को बताया, उसके पास छापेमारी के दौरान परिसर सील करने का अधिकार नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मद्रास उच्च न्यायालय से कहा है कि अगर पीएमएलए के प्रावधानों के तहत होने वाली तलाशी के समय कोई परिसर बंद हो, तो उसके पास परिसर को सील करने का कोई अधिकार नहीं है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने यह दलील फिल्म निर्माता आकाश भास्करन और व्यवसायी विक्रम रवींद्रन द्वारा दायर याचिकाएं बुधवार को न्यायमूर्ति एम एस रमेश और वी लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए पेश किए जाने के बाद दी। आकाश और विक्रम ने याचिकाओं में अपने आवास और कार्यालय में तलाशी लेने और उसे सील करने की ईडी की कार्रवाई को चुनौती दी है। जब मामला सामने आया, तो पीठ ने परिसर को सील करने के ईडी के अधिकार पर सवाल उठाया। राजू ने कहा कि कि केंद्रीय जांच एजेंसी के पास परिसर को सील करने का कोई अधिकार नहीं है। हालांकि, उसके पास धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत ताला तोड़ने की शक्तियां हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन ईडी मामले को बढ़ाना नहीं चाहती थी। उन्होंने पीठ को यह भी बताया कि ईडी को याचिकाकर्ताओं के परिसरों पर चिपकाए गए नोटिस को वापस लेने और जब्त की गई सभी सामग्री वापस करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद पीठ ने अंतरिम आवेदनों पर आदेश सुरक्षित रख लिया और मुख्य याचिकाओं पर सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने 'माकपा-आरएसएस' सहयोग पर विजयन के दावे को खारिज किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने बृहस्पतिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के इस दावे को खारिज किया कि आपातकाल के दौरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ सहयोग नहीं किया था। वेणुगोपाल ने माकपा के पहले महासचिव पी सुंदरैया के अपने पद से इस्तीफा देने की घटना का हवाला देते हुए कहा, ''इतिहास को नजरअंदाज करने से वह मिट नहीं जाएगा।''

वेणुगोपाल ने 'फेसबुक' पोस्ट में कहा कि अपने त्यागपत्र में सुंदरैया ने पार्टी पदों से इस्तीफा देने के कारणों को सूचीबद्ध किया था, जिसमें आपातकाल का मुकाबला करने की आड़ में पार्टी का 'साम्राज्यवाद समर्थक' जनसंघ और 'फासीवादी' आरएसएस के साथ गठबंधन शामिल था। वेणुगोपाल ने पत्र का हवाला देते हुए कहा कि सुंदरैया ने उस वक्त कहा था कि इस गठबंधन से पार्टी देश और विदेश में लोकतांत्रिक समाजों में साम्राज्यवाद-विरोधी और समाजवादी ताकतों से अलग-थलग पड़ जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आरएसएस के साथ पार्टी के पिछले सहयोग को छिपाने के प्रयास में आरएसएस विरोधी मुखौटा लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि विजयन खुद 1977 में पहली बार आरएसएस के समर्थन से विधानसभा में पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को 1989 में वी.पी. सिंह सरकार को माकपा और भाजपा द्वारा दिए गए संयुक्त समर्थन की भी याद दिलाई। वेणुगोपाल ने यह भी आरोप लगाया कि केरल में 2021 के विधानसभा चुनावों में माकपा को भाजपा का मौन समर्थन था।

माकपा-आरएसएस सहयोग पर विवाद एक साक्षात्कार के दौरान माकपा के राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन की टिप्पणी से शुरू हुआ जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में आरएसएस के साथ सहयोग किया था।

हालांकि, गोविंदन ने बाद में अपने बयान पर सफाई थी, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे भुनाया और नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने इसे नीलांबुर विधानसभा उपचुनाव में आरएसएस से माकपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालने का ''खुला अनुरोध'' करार दिया।

बुधवार को बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने इस बात से इनकार किया कि आरएसएस के साथ कभी भी कोई राजनीतिक सहयोग हुआ है। उन्होंने कहा, ''आरएसएस एक सांप्रदायिक ताकत है जिसने हमेशा माकपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया है।''

तमिलनाडु के एडीजीपी के खिलाफ जांच सीबी-सीआईडी को स्थानांतरित, उच्च न्यायालय का आदेश रद्द

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के एडीजीपी एचएम जयराम के खिलाफ जांच बृहस्पतिवार को सीबी-सीआईडी को स्थानांतरित कर दी। इससे पहले तमिलनाडु सरकार ने कहा कि वह चाहती है कि जयराम से जुड़े कथित अपहरण मामले में जांच पूरी होने तक उनका निलंबन जारी रहे।

न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि जयराम से जुड़े मामलों को अन्य पीठ को भेजा जाए। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस निर्देश को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस से अपहरण मामले में जयराम को हिरासत में लेने को कहा गया था। इससे पहले शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार से उसे इस बारे में अवगत कराने को कहा था कि क्या वह जयराम के खिलाफ जांच विशेष शाखा या सीआईडी को स्थानांतरित कर सकती है। इससे पहले तमिलनाडु ने कहा था कि वह चाहता है कि मामले में जांच पूरी होने तक एडीजीपी का निलंबन जारी रहे। पीठ को तमिलनाडु सरकार की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने बताया कि अवर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) जयराम का निलंबन अपहरण मामले में उच्च न्यायालय के 16 जून के आदेश के अनुरूप नहीं किया गया है और उनके खिलाफ अन्य आरोप भी हैं। दवे ने कहा कि यह नियमों के तहत ही है कि जयराम को उनके खिलाफ आपराधिक मामले में जांच लंबित रहने तक निलंबित रखा जा सकता है। दवे से पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समक्ष लंबित अपहरण मामले को उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है। पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दवे से इस बारे में निर्देश प्राप्त करने को कहा कि क्या एडीजीपी जयराम के खिलाफ जांच को आज विशेष शाखा या सीआईडी को स्थानांतरित किया जा सकता है।

केरल में सार्वजनिक रूप से अपमानित किए जाने से परेशान महिला ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर (केरल)/भाषा। उत्तरी केरल के कन्नूर जिले में पुरुषों के एक समूह द्वारा कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से अपमानित किए जाने के बाद 40 वर्षीय एक महिला ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। महिला की पहचान रसीना के रूप में हुई है, जो मंगलवार को पिनराई गांव में अपने घर में मृत पाई गई।

पुलिस के अनुसार, वह रविवार शाम को हुई घटना के बाद से बहुत परेशान थी।

घटनास्थल से एक नोट बरामद होने के बाद पुलिस ने प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान वी सी मुबशीर (28), के ए फैसल (34) और वी के राफनास (24) के रूप में हुई है। सभी एक ही इलाके के निवासी हैं।

पुलिस ने कहा कि समूह ने कथित तौर पर एक मस्जिद के पास रसीना और उसके दोस्त से पूछताछ की, फिर उस व्यक्ति पर हमला किया और कई घंटे तक उसे अपने कब्जे में रखा।

पुलिस के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर दोस्त से मोबाइल फोन और टैबलेट छीन लिया और देर रात उसे रिहा करने से पहले परिवार के सदस्यों को एसडीपीआई कार्यालय में बुलाया।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

केरल राजभवन ने कार्यक्रम से मंत्री के अचानक चले जाने को राज्यपाल का 'घोर अपमान' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूवनंतपुरम/भाषा। केरल के राजभवन ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की मौजूदगी वाले सार्वजनिक कार्यक्रम से सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी के अचानक चले जाने को लेकर बृहस्पतिवार को उनकी आलोचना की तथा इसे ''प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन और राज्यपाल के संवैधानिक पद का घोर अपमान'' बताया।

कार्यक्रम का आयोजन राजभवन में किया गया था और उस वक्त राज्यपाल मंच पर मौजूद थे, जब मंत्री कार्यक्रम से चले गए। राज्य सरकार के कार्यक्रम से शिवनकुट्टी के चले जाने के कुछ घंटों बाद राजभवन ने एक बयान जारी कर उनकी आलोचना की। शिवनकुट्टी कार्यक्रम के दौरान भारत माता की तस्वीर प्रदर्शित किये जाने के विरोध में वहां से चले गए क्योंकि ऐसा दावा किया जाता है कि इसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने कार्यक्रमों में करता है।

राजभवन ने कड़े शब्दों में जारी बयान में कहा कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में राज्यपाल जन प्रतिनिधियों, विशेषकर मंत्रियों से सर्वोच्च सम्मान पाने के हकदार हैं, जिन्हें राज्यपाल संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाते हैं।

बयान में कहा गया, ''राज्य के शिक्षा एवं श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी द्वारा आज सुबह मंच से उस समय चले जाना, जब माननीय राज्यपाल मौजूद थे, प्रोटोकॉल का घोर उल्लंघन है तथा राज्यपाल के पद का घोर अपमान है।'' बयान के अनुसार, मंत्री राज्यपाल को सूचित किये बिना चले गए। बयान में कहा गया है, ''राज्यपाल ने मंत्री को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई है, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने कदाचार का प्रदर्शन करके राज्यपाल के पद के अलावा राज्यपाल का भी व्यक्तिगत रूप से अपमान किया है। मंत्री ने अचानक वहां से जाने के बारे में राज्यपाल को सूचित करने की भी जहमत नहीं उठाई।''

राजभवन ने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार, कार्यक्रम में उपस्थित अन्य लोगों से भी अपेक्षा की जाती है कि वे राज्यपाल के जाने तक बैठे रहें।

इसने कहा कि दुर्भाग्य से, शिक्षा विभाग संभालने वाले मंत्री ने अपने कदाचार से अभूतपूर्व गलत मिसाल कायम की है।

राजभवन ने कहा कि मंत्री कार्यक्रम में पहले से तैयार भाषण के साथ पहुंचे थे, जिससे यह संकेत मिलता है कि वहां से जाने की योजना पहले से बनाई गई थी। बयान में, मंत्री के भाषण के दौरान की गई टिप्पणी का भी उल्लेख किया गया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था कि वह मंच पर 'भारतम्बा' के चित्र को नहीं पहचान पाए थे।

इसमें कहा गया है, ''यह दुखद है कि राज्य के शिक्षा मंत्री ने लोगों के समक्ष स्वीकार किया कि वह भारतम्बा के चित्र से अवगत नहीं है।''

यह घटना 'स्काउट्स और गाइड्स' छात्रों की उपस्थिति के बीच हुई, जो मंत्री और राज्यपाल दोनों से पुरस्कार प्राप्त करने कार्यक्रम में आए थे। राजभवन ने कहा कि मंत्री के कार्यों ने न केवल राज्यपाल का अपमान किया है, बल्कि उपस्थित छात्रों को भी एक खराब संदेश दिया है।

भारत माता विवाद : केरल के मंत्री ने राज्यपाल पर किया पलटवार, संविधान के उल्लंघन का लगाया आरोप

तिरूवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने उनकी आलोचना किये जाने को लेकर राज्य के राज्यपाल पर पलटवार करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में आयोजित एक आधिकारिक समारोह को राजनीतिक कार्यक्रम में तब्दील कर संविधान का उल्लंघन किया है। मंत्री ने यह बात राजभवन के उस बयान के जवाब में कही, जिसमें राज्यपाल आर्लेकर की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में शिवनकुट्टी पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

एक बयान में, मंत्री ने कार्यक्रम से अचानक उनके चले जाने को लेकर उपजे विवाद के बाद राजभवन द्वारा की गई टिप्पणियों को भी सिरे से खारिज कर दिया। शिवनकुट्टी ने कहा, ''संविधान और इसके द्वारा स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान के अनुच्छेद 163 के अनुसार, राज्यपाल से राज्य मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के आधार पर कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में, राज्यपाल का दायित्व है कि वे तटस्थ रहें और सार्वजनिक कार्यक्रमों की गरिमा बनाए रखें।''

हालांकि, मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने आधिकारिक कार्यक्रम का इस्तेमाल राजनीतिक संदेश देने के लिए किया और उन्होंने अपनी संवैधानिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े किये हैं। मंत्री ने भारत माता के चित्र के इस्तेमाल की आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत की अवधारणा को धार्मिक प्रतीकवाद से जोड़ने का प्रयास है, जिसके जरिये राष्ट्रवाद को संकीर्ण हिंदुत्व के ढांचे में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 51ए(ई) स्पष्ट रूप से नागरिकों के कर्तव्य को रेखांकित करता है कि वे सद्भाव को बढ़ावा दें और भारत की समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करें। शिवनकुट्टी ने कहा, ''मंत्री के तौर पर मेरा यह कदम प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं था, बल्कि संविधान की गरिमा को बनाए रखने के लिए ली गई मेरी संवैधानिक शपथ के आधार पर एक विरोध था।'' इससे पहले दिन में, राजभवन ने आर्लेकर की मौजूदगी के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रम से मंत्री के अचानक चले जाने को लेकर शिवनकुट्टी की कड़ी आलोचना की। उसने इसे ''प्रोटोकॉल का गंभीर उल्लंघन और राज्यपाल के संवैधानिक पद का घोर अपमान'' करार दिया।

राजभवन ने यह बयान कार्यक्रम से शिवनकुट्टी के अचानक चले जाने के कुछ घंटों बाद जारी किया था। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान भारत माता का चित्र प्रदर्शित किये जाने को लेकर विरोध जताया था क्योंकि ऐसा दावा किया जाता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों में इस चित्र का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

योग

बीकानेर में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले जूनागढ़ किले में योग करते लोग।

योग दिवस पर भाजपा कराएगी योग, नेताओं की लगी ड्यूटी

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश भर में योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए पार्टी ने 41 जिलों में भाजपा के नेताओं ,सांसदों ,विधायकों और सरकार के मंत्रियों की विभिन्न जगहों पर योग कार्यक्रम में ड्यूटी लगाई है। करीब 150 जगह पर राजस्थान में इनकी ड्यूटी लगाई है, जो वहां आम आदमी और कार्यकर्ताओं के साथ योग करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने कौन नेता कहां मौजूद रहेगा ,इसकी लिस्ट जारी की है।

किरोड़ीलाल मीणा की बड़ी कार्रवाई : मिलावटी ऑर्गेनिक खाद बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा, किसानों से धोखाधड़ी के आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने गुरुवार को उदयपुर के उमरड़ा स्थित पटेल फास्फोरस कंपनी पर अचानक छापा मारा। इस कंपनी पर आरोप है कि यह ऑर्गेनिक खाद के नाम पर मिलावटी उत्पाद बेचकर न केवल किसानों को गुमराह कर रही थी, बल्कि केंद्र सरकार की सब्सिडी का भी दुरुपयोग कर रही थी। मंत्री ने खुद फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण किया और खाद के सैंपल हाथ में लेकर जांच की।

उन्होंने कहा कि मई माह में इस कंपनी से लिए गए अलग-अलग 8 सैंपल जांच में फेल पाए गए थे। बावजूद इसके कंपनी मिलावटी खाद बनाने का काम कर रही थी। इससे पहले भी इस कंपनी की शिकायतें मिल चुकी थीं, जिसके आधार पर केंद्र सरकार ने इसकी 6 माह की सब्सिडी निलंबित कर दी थी। इसके बाद भी कंपनी ने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की मेहनत और भविष्य से खिलवाड़ करने वाली किसी भी कंपनी को बख्शा नहीं जाएगा। ये लोग घटिया खाद बनाकर किसानों को लूट रहे हैं। केंद्र सरकार 328 रुपये प्रति पैकेट सब्सिडी देती है, लेकिन ये लोग उस सब्सिडी का भी गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान की सभी खाद और बीज कंपनियों की जांच करवाई जाएगी ताकि राज्य के किसानों के साथ धोखाधड़ी रोकी जा सके।

इससे पहले डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने राजधानी जयपुर व आसपास के इलाकों में स्थित छह पेस्टिसाइड फैक्ट्रियों और उनके गोदामों पर भी छापेमारी की थी। इनमें आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी के परिवार से जुड़ी कंपनी के गोदाम भी शामिल हैं। इस गोदाम को भी सील कर दिया गया है। इन स्थानों से लिए गए सैंपल फिलहाल जांच के लिए भेजे गए हैं। राजस्थान सरकार कृषि क्षेत्र में मिलावटखोरी और नकली उत्पादों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर काम कर रही है। मंत्री मीणा ने दो टूक कहा कि किसानों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। हमने सभी फर्मों को निर्देश दिया है कि वे अपनी गुणवत्ता सुधारें। जो नहीं सुधरेगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, मंत्री ने कहा।

राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में मिलावटी खाद और नकली बीजों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इससे फसल की उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। साथ ही इस तरह के मामलों में सरकारी सब्सिडी का दुरुपयोग होना भी बड़ी चिंता का विषय है। ऐसे में मंत्री की यह कार्रवाई किसानों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

करंट लगने से डॉक्टर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में रविंद्रनाथ टैगोर (आरएनटी) मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में बुधवार देर रात 'वॉटर कूलर' से पानी भरते समय कथित तौर पर करंट लगने से 35 वर्षीय डॉक्टर की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवर को यह जानकारी दी। इसके बाद गुस्साए रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी और हादसे की जिम्मेदारी तय करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि डॉ. रवि शर्मा खेरवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात थे और उनका महाराणा भूपाल सिंह अस्पताल में स्थानांतरण हो गया था और वहां कार्यभार संभालने से पहले वह उदयपुर आए थे।

उनके मुताबिक, वह पिछले दो-तीन दिन से अपने चचेरे भाई डॉ. प्रशांत के साथ आरएनटी मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्रावास में रह रहे थे जो उसी संस्थान में रेजिडेंट डॉक्टर हैं। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, यह घटना बुधवार देर रात करीब दो बजे हुई, जब डॉ. शर्मा छात्रावास के गलियारे में रखे 'वाटर कूलर' से पानी भर रहे थे।

प्रशांत शर्मा ने संवाददाताओं को बताया, रवि को बिजली का जोरदार झटका लगा और वह बेहोश हो गए। उनकी चीख सुनकर अन्य रेजिडेंट डॉक्टर उनकी मदद के लिए दौड़े और उन्हें एमबी अस्पताल लेकर गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। डॉ. शर्मा नागौर जिले के मकराना के रहने वाले थे और उनकी आकस्मिक मौत से चिकित्सा समुदाय को गहरा सदमा लगा है।

घटना के बाद, रेजिडेंट डॉक्टरों और स्नातक छात्रों ने काम बंद कर दिया और परिसर में नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और कॉलेज अधिकारियों से इस्तीफे की मांग की। 'रेजिडेंट डॉक्टर्स यूनियन' के संयुक्त सचिव डॉ. आशीष महंत ने कहा, हम इस दुखद चूक के लिए नैतिक आधार पर प्रधानाचार्य और हॉस्टल वार्डन के इस्तीफे की मांग करते हैं। मेडिकल कॉलेज की आपात सेवाओं, आईसीयू और ट्रॉमा वार्ड में तैनात रेजिडेंट डॉक्टर भी हड़ताल में शामिल हो गए जिससे चिकित्सा सेवाएं बाधित हुईं। अधिकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और घटना की तहकीकात कर रहे हैं और हॉस्टल परिसर में लगे बिजली उपकरणों की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं।

जयपुर में 6 अक्टूबर को गूंजेगी 'अन्नदाता हुंकार रैली', राजस्थान के गांव-गांव से जुटेंगे किसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की धरती पर एक बार फिर अन्नदाताओं की हुंकार गूंजने वाली है। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में राज्यभर के किसान 6 अक्टूबर 2025, सोमवार को जयपुर में आयोजित 'अन्नदाता हुंकार रैली' में जुटेंगे। इस रैली का मकसद है - खेत को पानी, फसल को दाम और युवाओं को काम। इस ऐतिहासिक रैली की तैयारी को लेकर प्रदेश के हर जिले में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में 18 जून को खैरथल-तिजारा जिले के ग्राम बमोरा में प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई, जिसमें जिला खैरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड़ और अलवर जिले के पदाधिकारियों ने भाग लिया। तय किया गया कि जिले की छह तहसीलों में किसान प्रतिनिधि गांव-गांव पदयात्राएं कर रैली के लिए समर्थन जुटाएंगे। आज 19 जून को हरसोली तहसील से पहली पदयात्रा तहसील अध्यक्ष शेर सिंह के नेतृत्व में शुरू हो गई है। इस यात्रा में जिला उपाध्यक्ष पूरणदादा, खेमचंद चौधरी, नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष सूबेदार मोहन सिंह, हरसोली परगना अध्यक्ष जीतराम चौधरी, झाड़ के सरपंच शीशराम चौधरी व दीपक भी शामिल हैं। कल 20 जून से मुंडावर तहसील में यात्रा प्रारंभ होगी।

प्राकृतिक खेती की शिक्षा के साथ जल संरक्षण के लिए हो कार्य : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने पारंपरिक भारतीय ज्ञान के आलोक में कृषि शिक्षा के आधुनिक विकास का आह्वान करते हुए प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ वर्षा जल संरक्षण के लिए कार्य करने पर जोर दिया हैं। बागड़े गुरुवार को यहां कृषि विश्वविद्यालय कोटा के आठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जो डिग्री प्रदान की गई है वह सिर्फ एक प्रमाण पत्र नहीं बल्कि उनकी मेहनत, संघर्ष एवं निरंतर प्रयासों का सम्मान है। यह केवल प्रमाणपत्र नहीं है, एक जिम्मेदारी भी है।

इस डिग्री का उपयोग विद्यार्थी समाज एवं राष्ट्र के विकास में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अत्यधिक प्रसन्नता का विषय है कि 343 डिग्रीधारकों में से 140 छात्राओं ने डिग्री प्राप्त की है एवं 14 स्वर्ण पदकों में से नौ स्वर्ण पदक छात्राओं को प्राप्त हुए हैं जो लगभग 64 प्रतिशत है। कुलाधिपति एवं कुलगुरु पदक भी हमारी बेटियों ने प्राप्त किए हैं जो दर्शाता है कि छात्राएं आज हर क्षेत्र में आगे हैं। बेटियां आगे बढ़ेंगी तभी समाज समुचित रूप में उन्नति के पथ पर अग्रसर हो सकता है। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि राजस्थान में बेटियां उच्च शिक्षा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि विश्व में जनसंख्या के अनुपात में अन्न उत्पादन की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए गुणवत्तापूर्ण खेती अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ज्यादा पैदावार के लिए रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे जैविक तंत्र, पारिस्थितिकी एवं मानव स्वास्थ्य को खतरा है। अतः रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम कर प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित खेती को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से अधिक उत्पादन कैसे लिया जाए, इसके लिए हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को ध्यान देने की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिकों को इसके लिए चिंतन एवं मनन करने की आवश्यता है।

उन्होंने कृषि और किसान से जुड़े सहायक व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता जताई, जिनमें विशेष रूप से डेयरी उद्योग का उल्लेख किया। राज्यपाल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, नवीनतम तकनीकों एवं व्यावहारिक समाधान के प्रसार का सशक्त केन्द्र बनने के साथ उन्हें विश्वविद्यालय किसानों के हित में संचालित योजनाओं को प्रभावी रूप से जमीन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाड़ौती की धरती पर उच्च गुणवत्ता वाला बासमती चावल उगाया जाता है, जिसकी आपूर्ति विश्व के कई देशों में की जाती है। इस उपलब्धि के लिए यहां के किसान धन्यवाद के पात्र हैं।

समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा अभय कुमार व्यास ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र कोटा में तीन करोड़ रुपये की लागत से स्थापित कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से धनिया, लहसुन और बेकरी उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए प्रशिक्षण देकर युवाओं व किसानों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अब तक खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 200 से अधिक उद्यमी तैयार किए जा चुके हैं और 600 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार एवं प्रशिक्षण को सशक्त बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 12 एमओयू किए गए हैं।

अनेक इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के प्रभाव के चलते बीते 24 घंटों में राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे तक भरतपुर तहसील में सबसे अधिक 85.0 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा डीग में 60 मिमी., टाटगढ़ (अजमेर), सहाड़ा (भीलवाड़ा), नगर (भरतपुर), पीपलखूंठ (प्रतापगढ़), रेलमगरा (राजसमंद), नैनवा (बूंदी), आसींद (भीलवाड़ा) और कुम्हेर (भरतपुर) में 50-50 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य में बुधवार को दिन में सबसे अधिक अधिकतम तापमान जैसलमेर में 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस बार अपने सामान्य समय से एक हफ्ते पहले बुधवार को राजस्थान में दस्तक दे दी। मानूसन के अगले दो दिन में राज्य के और हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से 19-20 जून के दौरान उदयपुर, कोटा संभाग में कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश हो सकती है जबकि जयपुर, अजमेर व भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

'वंदे गंगा' अभियान के तहत बेणेश्वर धाम एनिकट पर मंत्री रावत ने किया जल पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने गुरुवार को डूंगरपुर जिले के बेणेश्वर धाम एनिकट पर जल पूजन कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का शुभारंभ विश्व पर्यावरण एवं गंगा दशमी दिन हुआ है, विश्व पर्यावरण दिवस पर हमने संकल्प लिया है कि आमजन के सहयोग से राजस्थान प्रदेश में 11 करोड़ पौधे लगाएंगे तथा उन्होंने कहा कि राजस्थान में तापमान एवं सूखे की समस्या के समाधान के लिए पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण करना है, साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का यह प्रयास है कि हम समय-समय पर बावड़ी कुओं तालाब, एनिकट का निर्माण कर भूमिगत जलस्तर में वृद्धि करें तथा उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि जितने भी बावड़िया, कुएं तालाब, नाले हैं उनकी साफ सफाई कर जल का संरक्षण करें।

उन्होंने कहा कि जल हमारे लिए पूजनीय है क्योंकि जितनी भी सभ्यताएं विकसित हुई है, वह सभी नदियों के किनारे ही विकसित हुई। कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने एनिकट के किनारे हरियालो राजस्थान के तहत पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा बेणेश्वर धाम पर हरि मंदिर में दर्शन कर प्रदेश के लिए सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर डूंगरपुर बांसवाड़ा पूर्व सांसद कनक मल कटारा ने कहा कि सरकार जल संरक्षण के कार्य का प्रयास कर रही है लेकिन हम सब की भी जिम्मेदारी है कि हम जल संरक्षण के लिए एक -एक बूंद का जल संरक्षण करें और पानी को व्यर्थ नही बहने दे। उन्होंने कहा कि जल का संचयन और संरक्षण कर हमें सरकार का साथ निभाने के साथ आने वाले कल लिए जल को सुरक्षित करना होगा, क्योंकि जल है तो कल है और हमें पशु पक्षियों एवं हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल संचय करना होगा।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन करते हुए आसपुर पूर्व विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि जल संरक्षण जन अभियान की चेतना में हर व्यक्ति की भागीदारी होनी चाहिए जल के संरक्षण के लिए जितने भी तालाब, एनिकट है उनकी सफाई कर जल संरक्षण करें ताकि भविष्य में पानी की समस्या नहीं रहे।

डोटासरा ने 17 कांग्रेसी नेताओं को थमाया नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी सर्जरी की शुरुआत हो गई है। प्रदेश नेतृत्व ने अब उन चेहरों की पहचान शुरू कर दी है जो संगठन के कामकाज में रुचि नहीं ले रहे। इसी कड़ी में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के 17 ब्लॉक अध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस थमाया है। यह संकेत है कि कांग्रेस अब संगठन में निष्क्रियता बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

मामले की पुष्टि करते हुए कांग्रेस महासचिव व मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि संगठनात्मक सुस्ती और विधानसभा समन्वयकों को सहयोग न देने के कारण यह नोटिस जारी किए गए हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी ने हाल ही में विधानसभा स्तर पर बैठकें कर समन्वयकों से फीडबैक मंगवाया था। जिन नेताओं का कामकाज सवालों के घेरे में आया, उन पर अब एक्शन की शुरुआत हो चुकी है।

सूत्रों का कहना है कि ये सिर्फ एक शुरुआत है जल्द ही और नाम सामने आ सकते हैं। संगठन के अंदर निष्क्रियता पर अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। इससे पहले 17 जून को डोटासरा ने जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम में भरतपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर संभागों के विधानसभा समन्वयकों के साथ मैराथन बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने वन-टू-वन संवाद कर हर समन्वयक से उनके क्षेत्र की जमीनी हकीकत जानी। खासकर संगठन सृजन अभियान के तहत चल रहे कामों की समीक्षा की गई और यह परखा गया कि कौन सा ब्लॉक अध्यक्ष कितना एक्टिव है और कौन सिर्फ नाम मात्र का पदाधिकारी है।

राजस्थान ने देश के लिए सबसे अधिक बलिदान दिए हैं : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मणिपाल यूनिवर्सिटी में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि भारत 21वीं सदी के तीसरे दशक के मध्य में प्रवेश कर चुका है और 2025 तक देश को विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य पूरा करना है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति का एकमात्र मार्ग शिक्षा है। उन्होंने राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को नमन करते हुए कहा कि यह भूमि बलिदानों की भूमि रही है। राजस्थान ने देश के लिए सबसे अधिक बलिदान दिए हैं। कई बार उजड़ने के बाद भी इस भूमि ने खुद को पुनः खड़ा किया है। राणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महापुरुषों ने इसी धरती पर संघर्ष किया था।

प्रधान ने कहा कि आज शिक्षा को लेकर नई सोच विकसित करनी होगी। भारत में लंबे समय तक ज्ञान की परंपरा रही है, लेकिन औपनिवेशिक काल में इसे बाधित किया गया। शिक्षक पहले गरीब हो सकते थे, लेकिन उन्हें समाज में अत्यंत सम्मान प्राप्त था। अब हमें उस शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करना होगा जो आत्मनिर्भर और नवाचार से भरपूर हो। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने मनिपाल यूनिवर्सिटी को आमंत्रण और सत्कार के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि शिक्षा ही भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा सकती है।

गिनी को निर्यात किए जाने वाले इंजनों में चालकों के लिए रेफ्रिजरेटर और माइक्रोवेव होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। गिनी गणराज्य को निर्यात किए जाने वाले 150 स्वदेशी रेलवे इंजन विश्व स्तरीय सुविधाओं लैस होंगे और इनमें लोको पायलटों (चालकों) की सुविधा के लिए रेफ्रिजरेटर और माइक्रोवेव ओवन के साथ-साथ वातानुकूलित केबिन शामिल हैं।

रेल मंत्रालय अगले तीन वर्षों में अफ्रीकी देश को उन्नत इंजन उपलब्ध कराएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को निर्यात किए जाने वाले पहले इंजन को रवाना करेंगे।

इंजन बनाने वाली कंपनी 'वेबटेक' के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, गिनी गणराज्य ने हमें अपने ट्रेन चालक दल की सुविधा के लिए ये सभी सुविधाएं प्रदान करने को कहा था।

इन इंजनों का निर्माण 'वेबटेक' द्वारा भारतीय रेलवे के सहयोग से बिहार में पटना के निकट मढ़ौरा रेल फैक्टरी में किया जा रहा है। इस फैक्टरी की शुरुआत 2015 में सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत

की गई थी, जिसके तहत 10 वर्षों में रेलवे के लिए 4,500 और 6,000 अश्व शक्ति (हॉर्स पॉवर) के 1,000 मालवाहक इंजनों का निर्माण किया जाना था।

पहले इंजन की आपूर्ति 2018 में की गई थी और तब से, 'वेबटेक' 700 से अधिक रेल इंजनों की आपूर्ति कर चुका है।

कंपनी ने कहा कि गिनी से 150 इंजनों का ऑर्डर अतिरिक्त कार्य है, जिसके लिए उसने अपने कार्यबल में वृद्धि की है, ताकि निर्यात प्रतिबद्धता के साथ-साथ भारतीय रेलवे को निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

यह निर्यात सौदा पश्चिम अफ्रीकी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन परियोजना की शुरुआत के बीच हुआ है, जिसके लिए माल ढुलाई क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है।

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, इससे गिनी की सबसे बड़ी लौह अयस्क परियोजना के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में योगदान मिलेगा तथा भारत-अफ्रीका आर्थिक सहयोग गहरा होगा।

झारखंड में भारी बारिश : मलबे से दो छात्रों के शव निकाले गए, मकान गिरने से एक लड़की की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन कुएं के धंस जाने से उसकी मिट्टी के नीचे 22 घंटे तक दबे रहने के बाद दो स्कूली छात्रों के शव बृहस्पतिवार को बरामद कर लिए गए हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि रांची जिले में मिट्टी का एक मकान ढह जाने के कारण 10 वर्षीय लड़की की भी मौत हो गयी। राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश का कहर जारी है। अलग-अलग जिलों में एक पुल और एक खाली आवासीय इमारत भी ढह गयी जबकि कई नदियां उफान पर हैं। इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुरहू थाना क्षेत्र के तहत मुरहू पंचायत में नौ और 10 वर्षीय दो स्कूली छात्र एक निर्माणाधीन कुएं के पास थे तभी बुधवार दोपहर करीब दो बजे वह भारी बारिश की वजह से धंस गया। खूंटी की उपायुक्त आर रॉनिटा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को बचाव अभियान में तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान बुधवार रात से ही जारी था और दोनों लड़कों के शव बृहस्पतिवार दोपहर को करीब साढ़े 12 बजे बरामद कर लिए गए।

रांची में तमाड़ पुलिस थाना क्षेत्र के तहत मुरपा गांव में भारी बारिश के कारण मिट्टी से बना एक मकान ढहने से 10 वर्षीय एक लड़की की भी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि घटना के वक्त लड़की घर पर अकेली थी। भारी बारिश के कारण खूंटी के तोरपा में बनाई नदी पर पुल का एक हिस्सा भी ढह गया है जिससे खूंटी-सिमडेगा सड़क मार्ग बाधित हो गया है।

सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट से जुड़ी समस्या के उपचार के बाद बृहस्पतिवार को सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। बीते 15 जून को 78 वर्षीय सोनिया गांधी को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर है। उन्होंने कहा, ''उन्हें छुट्टी दे दी गई है और अस्पताल से बाहर रहते हुए उनका उपचार जारी रहेगा।'' डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सहित सोनिया का उपचार करने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि उन पर इलाज का अच्छा असर हुआ है। चिकित्सकों ने कहा, ''उन्हें पेट में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था, जिसे दवाओं से नियंत्रित कर लिया गया है। उनकी हालत में सुधार हुआ है और अस्पताल बाहर रहते हुए उनकी सेहत पर निगरानी रखी जाएगी।'' उन्हें पिछले रविवार को अस्पताल के उदर एवं आंत्रशोध विभाग विभाग में भर्ती कराया था।

'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' 2026 भारत के शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लाई : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' 2026 भारत के शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लेकर आई है। इस रैंकिंग में भारत के 54 संस्थानों को शामिल किया गया है।

मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी 2026 रैंकिंग हमारे शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी खबर लेकर आई है। हमारी सरकार भारत के युवाओं के लाभ के लिए अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बृहस्पतिवार सुबह जारी रैंकिंग के अनुसार, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली सर्वोच्च रैंकिंग वाला भारतीय संस्थान है।

संस्थान ने दो वर्षों में 70 से अधिक पायदान चढ़कर प्रतिष्ठित सूची में 123वां स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ष रैंकिंग में आठ नए भारतीय संस्थानों को शामिल किए जाने के साथ ही अब भारत के संस्थानों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। अमेरिका (192 संस्थान), ब्रिटेन (90 संस्थान) और मुख्यभूमि चीन (72 संस्थान) के बाद भारत चौथे स्थान पर है। किसी अन्य देश या क्षेत्र में इस वर्ष रैंकिंग में इतने विश्वविद्यालय नहीं जुड़े हैं। इस मामले में जॉर्डन और अजरबैजान दूसरे स्थान पर रहे हैं और दोनों के छह-छह विश्वविद्यालय 2026 की रैंकिंग में जुड़े हैं। लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषण कंपनी 'क्वाक्रेरली साइमंड्स' (क्यूएस) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाने वाली प्रतिष्ठित 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' के तहत विभिन्न प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर विश्वविद्यालयों का आकलन किया जाता है।

बंगाल में हैं भारत में सबसे अधिक पर्यटक गाइड : पर्यटन मंत्री

कोलकाता/भाषा। भारत के सभी राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल में प्रमाणित पर्यटक गाइड की संख्या सबसे अधिक है। राज्य के पर्यटन मंत्री इंद्रनील सेन ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा राज्य में पर्यटक गाइड प्रमाणन योजना शुरू किए जाने के बाद अब तक 1,022 पर्यटक गाइड को प्रमाण पत्र मिल चुके हैं।

सेन ने सदन को बताया कि देश के सभी राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल में प्रमाणित पर्यटक गाइड की संख्या सबसे अधिक है। मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग ने एक दशक से अधिक समय से माओवादी गतिविधियों से प्रभावित रहे पुरुलिया में पर्यटकों के आगमन को बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में पर्यटक अब इस पश्चिमी जिले के हरे-भरे जंगलों और पहाड़ियों को देखने आ रहे हैं। सेन ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन सम्पत्तियां खोलने के लिए निजी संस्थाओं को पर्याप्त बुनियादी ढांचागत सहायता दे रही है। पुरुलिया पर्यटन विकास परिषद का गठन सभी हितधारकों को आवश्यक सहायता प्रदान करने और जिले में यात्रा को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, जिसे एक दशक पहले तक शायद ही कभी पर्यटन स्थल के रूप में माना जाता था। मंत्री ने कहा कि जो पर्यटक जंगलों और पहाड़ियों के लिए उत्तर बंगाल आते हैं, वे अब पुरुलिया पर विचार कर रहे हैं, जहां शांति और सुरक्षा फिर से बहाल हो गई है।

ट्रंप के साथ मुनीर का भोज भारतीय कूटनीति के लिए बड़ा झटका: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को दोपहर के भोज पर बुलाया जाना और तारीफ किया जाना भारतीय कूटनीति के लिए बड़ा झटका है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''फील्ड मार्शल आसिम मुनीर न तो किसी देश का राष्ट्राध्यक्ष है, न ही किसी सरकार का प्रमुख। वह पाकिस्तान का सेना प्रमुख है। इसके बावजूद उसे राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित किया और उसकी जमकर तारीफ की।'' उन्होंने कहा, ''आसिम मुनीर वही व्यक्ति है, जिसके भड़काऊ और आपत्तिजनक बयानों की पृष्ठभूमि में 22 अप्रैल को पहलगाम में बर्बर आतंकी हमला हुआ और इसे उसी सैन्य तंत्र ने अंजाम दिया, जिसका प्रमुख वह स्वयं है।'' रमेश ने कहा कि यह भारतीय कूटनीति (झप्पी कूटनीति के लिए भी) के लिए एक बड़ा झटका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मेजबानी की। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की ट्रंप से यह मुलाकात भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के कुछ सप्ताह बाद हुई है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो ''बहुत समझदार'' नेताओं ने एक ऐसा युद्ध जारी न रखने का ''निर्णय'' लिया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था।

पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख़्वाब पाल रही : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को देश के मुख्य विपक्षी राजनीतिक दल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए दावा किया कि पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख़्वाब पाल रही है। उप मुख्यमंत्री मौर्य ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस अब देश की जनता के बजाय 'पाकिस्तान के नेताओं' के भरोसे पर ज्यादा निर्भर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख़्वाब पाल रही है। मौर्य ने भारत-पाक संघर्ष पर कांग्रेस के कुछ नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर निशाना साधा।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीरें साझा कीं। पोस्ट में कहा गया है, ''उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

ओडिशा में एक और महिला से सामूहिक बलात्कार, तीन दिन में तीसरी घटना

बारीपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में चार लोगों ने एक महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य में तीन दिन में यह तीसरी ऐसी घटना है। पीड़िता (31) के पति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उसके परिवार के परिचित चार लोग बारीपदा सदर थाना क्षेत्र में स्थित उनके घर में उस समय घुस आए, जब वह और परिवार के अन्य सदस्य वहां नहीं थे।

शिकायत के अनुसार, चारों लोग उसकी पत्नी को जबरन दूसरे थाने के अधिकार क्षेत्र में ले गए जहां उन्होंने उससे सामूहिक बलात्कार किया। बारीपदा सदर थाने के प्रभारी निरीक्षक आदित्य प्रसाद जेना ने बताया कि पीड़िता ने चारों लोगों के नाम बताए हैं और वे सभी फरार हैं। जेना ने कहा, ''आरोपियों की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई है।'' अपराधियों ने महिला को धमकी दी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो वे उसे जान से मार देंगे। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया और हालत स्थिर बताई जा रही है। यह घटना सोमवार को हुई। इससे पहले रविवार को भी गोपालपुर बीच पर कॉलेज छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार हुआ था और इस मामले में चार नाबालिगों सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अपने फैसलों पर फोकस रखें शुभमन, बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं दे : तेंदुलकर

नई दिल्ली/भाषा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में बदलाव के कठिन दौर में टीम की कमान संभालने जा रहे शुभमन गिल को उचित समय और सहयोग दिया जाना चाहिये और नये कप्तान को सलाह दी कि ड्रेसिंग रूम से बाहर की टिप्पणियों पर सोचे बिना वह अपनी रणनीति पर फोकस रखें । 25 वर्ष के गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में भारत के कप्तान होंगे । इस शृंखला के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नये चक्र की शुरुआत होगी । भारतीय टीम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के बिना उतरेगी जो टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं ।

हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व इंटरव्यू में तेंदुलकर ने कहा,'' मुझे लगता है कि उसे (गिल को) समय देना होगा। उसे सहयोग देने की भी जरूरत है ।'' भारत का कप्तान होना काफी दबाव वाला काम है और तेंदुलकर को पता है कि अलग अलग तरह के सुझाव सामने आयेंगे लेकिन उनका मानना है कि गिल इससे बखूबी निबट लेंगे। उन्होंने कहा ,'' मुझे लगता है कि कई तरह के सुझाव सामने आयेंगे कि उसे ऐसा करना चाहिये या वैसा करना चाहिये। इस तरह की बातें होंगी लेकिन उसे टीम की रणनीति पर फोकस करना चाहिये । ड्रेसिंग रूम में क्या बात हो रही है और क्या रणनीति उसके अनुरूप है और जो भी फैसले हो रहे हैं, वे टीम के हित में हैं या नहीं और उसे किस पर ध्यान देना चाहिये । उसे बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देना चाहिये जिसमें लोग कहेंगे कि वह अधिक आक्रामक है या अधिक रक्षात्मक या इसी तरह की बातें।''

ईडी ने बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा घोटाले से जुड़े मामले में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में 2023 में कांस्टेबलों की भर्ती में कथित घोटाले की धनशोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कई राज्यों में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बिहार के पटना और नालंदा, रांची (झारखंड), लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में कम से कम एक दर्जन स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई की जा रही है। ये ठिकाने एजेंट, प्रश्नपत्र लीक कराने वाले गिरोह के सदस्यों और उनके सहयोगियों से जुड़े हैं। सूत्रों के अनुसार कोलकाता में एक प्रेस पर भी छापा मारा गया जहां प्रश्नपत्रों की छपाई हुई थी। उन्होंने बताया कि इस कथित घोटाले को अंजाम देने वाले लोग वही हैं जो 2024 में नीट यूजी के प्रश्नपत्र लीक घोटाले के आरोपी हैं।

बिहार पुलिस कांस्टेबल 2023 भर्ती का उद्देश्य बिहार पुलिस की विभिन्न इकाइयों में 21,391 रिक्तियों को भरना था। यह परीक्षा 1 अक्टूबर, 2023 को बिहार के 37 जिलों में 529 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 18 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षा के पेपर लीक होने के आरोपों के बाद, इसे उसी वर्ष 3 अक्टूबर को राज्य केंद्रीय कांस्टेबल चयन बोर्ड (सीएसबीसी) द्वारा रद्द कर दिया था। धन शोधन का मामला बिहार पुलिस (आर्थिक अपराध इकाई या ईओयू) की कुछ प्राथमिकियों से उपजा है। ईडी को मामले में धनशोधन का संदेह है क्योंकि एजेंटों के गिरोह ने प्रश्नपत्र लीक करके और इसे उम्मीदवारों को बेचकर 'अपराध से आय' (अवैध धन) अर्जित की और उम्मीदवारों द्वारा दिए गए धन का इस्तेमाल निजी संपत्ति बनाने के लिए किया।

ओडिशा में रोज दुष्कर्म के 15 मामले सामने आ रहे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का पिछला एक साल बेटियों के लिए खौफनाक रहा है और गत 11 माह के दौरान प्रदेश की लगभग 28,000 महिलाओं पर अत्याचार हुआ।

पार्टी की महिला इकाई की अध्यक्ष अलका लांबा ने यह भी कहा कि प्रदेश में रोजाना दुष्कर्म के औसतन 15 मामले सामने आ रहे हैं। ओडिशा में दो दशक से सत्तारूढ़ नवीन पटनायक नीत बीजू जनता दल को हटाकर पिछले साल भाजपा सत्ता में आई। प्रदेश में पहली बार भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी है। अलका ने संवाददाताओं से कहा, ''ओडिशा में जो भी घटनाएं घट रही हैं, वे बेहद चिंतित करने वाली हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार को बने हुए एक साल पूरा हुआ है। लेकिन ये साल भर का समय ओडिशा की बहन, बेटियों और महिलाओं के लिए बेहद ही खतरनाक और खौफनाक रहा है।''

आईपीएल खिताब से बढकर है बड़ी टीमों के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला जीतना : शुभमन गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स /भाषा। भारत के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने यहां बृहस्पतिवार को कहा कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला जीतना आईपीएल खिताब जीतने से बड़ी उपलब्धि है । विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे धुरंधरों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद 25 बरस के गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में भारत की कप्तानी करेंगे ।

यह पूछे जाने पर कि इंग्लैंड में टेस्ट शृंखला जीतने और आईपीएल खिताब में से वह किसे ऊपर रखेंगे, उन्होंने कहा ,'' निश्चित तौर पर टेस्ट शृंखला में जीत को ।'' उन्होंने कहा ,'' आपको बतौर कप्तान इंग्लैंड दौरे के ज्यादा मौके नहीं मिलते । अगर आप अपनी पीढी में सर्वश्रेष्ठ में से हैं तो शायद दो दौरे या तीन ।'' गिल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' आईपीएल हर साल होता है और हर साल मौका मिलता है । मेरे ख्याल से इंग्लैंड , ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में जीत बड़ी है ।'' इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का भले ही गिल को अनुभव नहीं है लेकिन वह चुनौती से विचलित भी नहीं हैं । उन्होंने कहा ,'' कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है लेकिन अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा

क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है । इससे काफी फर्क पड़ेगा ।'' गिल ने कहा ,'' पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो ब्लूप्रिंट मिला है , वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं । हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने की कोशिश करेंगे ।'' उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिये । उन्होंने कहा ,'' विराट भाई के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद मैने और गौतम गंभीर भाई ने इस पर बात की और हम दोनों ही इस पर एकमत थे कि मुझे चौथे नंबर पर उतरना चाहिये ।'' गिल ने यह भी कहा कि वह टीम में सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं ताकि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें । उन्होंने कहा ,'' अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट शृंखला और डब्ल्यूटीसी चक्र में कामयाब होंगे । खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद की जरूरत है कि आप उनसे क्या चाहते हैं। उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की छूट मिलनी चाहिये ।'' गिल ने कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिये विराट और रोहित से सलाह ली थी । उन्होंने कहा ,'' मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने अपने अनुभवों के बारे में बताया । खासकर यहां इंग्लैंड में । इंग्लैंड के खिलाफ हमने भारत में (2023 . 24) जो शृंखला खेली, वह मेरी सर्वश्रेष्ठ में से एक थी । उसमें भी हमारे सीनियर खिलाड़ी हर मैच में उपलब्ध नहीं थे ।''

कोहली, रोहित या अश्विन के नहीं होने से भारत की चुनौती आसान होगी : बेन स्टोक्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लीड्स/भाषा। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन की गैर मौजूदगी से भारतीय टीम कमजोर नहीं हुई है क्योंकि उसके पास इस कमी को पूरा करने के लिये प्रतिभा का भंडार है ।

बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम शुक्रवार को यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट के साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की शृंखला का आगाज करेगी । कोहली, रोहित और अश्विन के संन्यास के बाद यह शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम का पहला मुकाबला होगा । स्टोक्स ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' काफी कुछ कहा जा रहा है कि विराट नहीं है, रोहित नहीं है और अश्विन नहीं है लेकिन इसके यह मायने नहीं है कि भारत के खिलाफ यह पहले से आसान मुकाबला होगा । भारतीय क्रिकेट के पास प्रतिभा का भंडार है ।'' उन्होंने कहा ,''विराट , रोहित और अश्विन ने देश के लिये शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ियों के सामने बल्लेबाजी या गेंदबाजी करना आसान होगा ।'' स्टोक्स ने कहा ,'' हमने आईपीएल में काफी समय बिताया है और हमें पता है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है ।'' उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिये जसप्रीत बुमराह का सामना करना काफी चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन उनकी टीम एक खिलाड़ी पर ही फोकस नहीं करेगी । उन्होंने कहा ,'' बुमराह उनके आक्रमण की अगुवाई करेंगे और वह शानदार खिलाड़ी हैं लेकिन टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और क्रिकेट में जीतने के लिये टीम को अच्छा खेलना होता है ।''

सुविचार

कृष्ण की बांसुरी की धुन कभी हार मानती नहीं, जैसे राधा का प्रेम कभी थमता नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाषा का सरलीकरण

छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस की कार्यप्रणाली में इस्तेमाल होने वाले उर्दू के मुश्किल शब्दों की जगह हिंदी के आसान शब्दों को शामिल करने का जो फैसला लिया है, उससे आम लोगों को काफी आसानी होगी। भाषा का सरलीकरण होना चाहिए।। वह इतनी मुश्किल नहीं होनी चाहिए कि हर वाक्य को समझने के लिए शब्दकोश का सहारा लेना पड़े। पुलिस की कार्यप्रणाली में तो इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि उसके पास अपनी समस्याएं लेकर आने वालों में से ज्यादातर आम लोग ही होते हैं।। उक्त फैसले का यह कहकर विरोध करना न्यायसंगत नहीं है कि इसके जरिए उर्दू भाषा को हटाया जा रहा है। वास्तव में मुद्दा हिंदी या उर्दू का है ही नहीं, सिर्फ सरलीकरण का है। अगर कोई व्यक्ति पुलिस के पास फरियाद लेकर जाए और उससे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए जाएं, तो उसे कम से कम यह पता होना चाहिए कि उनमें लिखा क्या है! वहां उर्दू, हिंदी या किसी भी भाषा के ऐसे शब्द नहीं होने चाहिएं, जिन्हें समझने में आम लोगों को कठिनाई हो। मुगल काल में जब कई शब्द पुलिस और अदालतों की कार्यप्रणाली में शामिल किए गए, तब भी ये आम लोगों के लिए बहुत मुश्किल थे। जहां तक उर्दू के साथ भेदभाव करने और उसे हटाने का सवाल है तो इन आरोपों में कोई दम नहीं है। आपने अभी जो पंक्तियां पढ़ी हैं, उनमें कई शब्द उर्दू के हैं।। हिंदी और उर्दू के आसान शब्दों से ही आम लोगों की भाषा बनती है। अगर आज कोई व्यक्ति भाषागत 'शुद्धता' का सख्ती से पालन करते हुए हिंदी या उर्दू लिखे-बोले तो वह विद्वानों की भाषा जरूर होगी, आम लोगों की भाषा नहीं होगी। समय के साथ सरलीकरण और सुविधानुसार अन्य भाषाओं के शब्दों को शामिल करने से भाषा समृद्ध होती है।

पुलिस की कार्यप्रणाली में 'अदम तामील', 'इंद्राज', 'ख़यानत', 'दीगर', 'माल मशरूका', 'रोजनामचा', 'जरायम' समेत 100 से ज्यादा ऐसे शब्द हैं, जिनके अर्थ सामान्य व्यक्ति नहीं जानता। अगर इनकी जगह आसान और प्रचलित शब्द लिखे जाएं तो समझने में बहुत सुविधा होगी। बेशक आज पुलिस व्यवस्था को और ज्यादा जनसुलभ, पारदर्शी तथा संवादात्मक बनाने की जरूरत है। प्राय: पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और अन्य दस्तावेजों की भाषा में उर्दू के मुश्किल शब्दों का ऐसा मिश्रण होता है, जिसे पढ़कर आम नागरिक उलझन में पड़ जाता है। ऐसे भी मामले सामने आए हैं, जब किसी ने पुलिस पर ही यह आरोप लगा दिया कि उसकी शिकायत कुछ और थी, पुलिस ने लिख दी कुछ और! भाषा के सरलीकरण से ऐसे विवाद दूर हो सकते हैं।। इस पहल की जरूरत कई क्षेत्रों में है। उदाहरण के लिए, डॉक्टरी पर्चे और स्वास्थ्य जांच संबंधी रिपोर्टों की भाषा भी मुश्किल होती है। कुछ पर्चों पर हस्तलिपि बहुत अस्पष्ट होती है। मरीज को कैसे पता चलेगा कि उसे क्या बीमारी है, कौनसी दवाइयां बताई गई हैं और क्या सलाह दी गई है? चिकित्सा क्षेत्र बहुत व्यापक है। उसकी पूरी शब्दावली को समझना आम लोगों के लिए जरूरी नहीं है। वहां इतना काफी है कि पर्चे और जांच रिपोर्टों में स्पष्टता और सरलता हो। अगर संभव हो तो हिंदी या स्थानीय भाषा में भी कुछ जानकारी दी जाए।। जिन देशों ने कानून, प्रशासन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों में 'अपनी भाषाओं' को प्राथमिकता दी, उन्होंने बहुत उन्नति की। जर्मनी, फ्रांस, इटली, चीन, जापान, रूस, द. कोरिया जैसे देशों ने अपनी भाषाओं में सरल अनुवाद किए।। ये नागरिकों को अपनी भाषाओं में उच्च शिक्षा का विकल्प उपलब्ध कराते हैं।। भारत में भी प्रयास जारी हैं।। 'अपनी भाषा, स्पष्ट भाषा और सरल भाषा' – इस

ट्वीटर टॉक

भाजपा की पर्ची सरकार में जनहित के निर्णयों पर सक्षम स्तर का दफ्तर केवल निरुत्तर बनकर रह गया है। सरकार की अकर्मण्यता से निर्णय और नीति की शून्यता प्रदेश को गर्त में धकेल रही है। भाजपाई शासन में जनकल्याण की जगह सिर्फ समीक्षा और औचक निरीक्षण रह गए हैं।।

-गोविंद सिंह डोटासरा

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने सूचित किया है कि जोधपुर लोकसभा क्षेत्र में नांदेलो की हवेली से लोहावट की सड़क जिसकी लंबाई 30.25 किमी है, का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण 58 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए।। इस दौरान क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव भी प्राप्त हुए।। जनआकांक्षाओं के अनुरूप इन कार्यों को पूरा किया जाएगा।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

आलोचना से प्रेरणा

ब्रिटेन के महान नेता विंस्टन चर्चिल का बचपन शैक्षणिक दृष्टि से बहुत प्रभावशाली नहीं था। वे पढ़ाई में औसत छात्र माने जाते थे और उनके शिक्षक उन्हें अक्सर अनुशासनहीन और लापरवाह कहकर तिरस्कृत करते थे। एक बार उनके एक शिक्षक ने उन्हें डांटते हुए कहा था, 'तुम जीवन में कुछ भी नहीं बन पाओगे, चर्चिल। न तुम्हारे पास बुद्धि है, न अनुशासन।' यह बात चर्चिल के मन में गहराई तक उतर गई।। उन्होंने कोई प्रतिवाद नहीं किया, कोई क्रोध नहीं जतायाबस एक संकल्प लिया कि वे स्वयं को सिद्ध करेंगे।

उन्होंने जीवन में अनुशासन, आत्म-संयम और अध्ययन को अपनाया। वर्षों बाद, जब चर्चिल द्वितीय विश्व युद्ध के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने और पूरे देश का नेतृत्व अपने कंधों पर उठाया, तब वही विद्यालय जिसके कुछ शिक्षकों ने उनका उपहास किया था, उन्हें बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित करता है। वहां, छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने केवल एक वाक्य कहा : 'कभी हार मत मानो कभी नहीं, कभी भी नहीं।।'

सामयिक

इजराइल-ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

मोबाइल : 9987949940

रूस-यूक्रेन एवं इजराइल-हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराइल-ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुकसान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराइल-ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराइल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराइल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराइल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराइल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराइल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराइल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराइल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराइल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराइल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराइल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराइल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में वसुधैव कुटुम्बकम; सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिन: की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराइल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही वसुधैव कुटुम्बकम की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं।

अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

नजरिया

दिलों को ही नहीं, विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ता है संगीत

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया।

संगीत हर इंसान के न सिर्फ शारीरिक, बल्कि भावात्मक एवं मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। यह ईश्वर का मानव को अनमोल उपहार है। क्योंकि एक सुर, जो जोड़ता है दुनिया को बिना बोले, धुनों से रचता है मनुष्य मन की कहानी। संगीत न केवल शांति, सुकून एवं आनन्द का सशक्त माध्यम है बल्कि यह हमारी भावनाओं को जुबान देता है, यह तनाव कम करता एवं अनेक बीमारियों से मुक्ति भी देता है। संगीत सुनने से मानसिक शांति का अहसास होता है, संगीत दुनिया में हर मर्ज की दवा मानी जाती है। यह दुखी से दुखी इंसान को भी खुश कर देता है, संगीत का जादू एक मरते हुए इंसान को भी खुशी के लम्हे दे जाता है। अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने में संगीत सबसे असरदार माध्यम है। संगीत को दुनिया की सबसे आसान और बेहतरीन भाषा मानी जाती है। संगीत की इन्हीं विलक्षण एवं अद्भुत विशेषताओं के कारण ही 21 जून को पूरे विश्व में संगीत दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व संगीत दिवस एक खास थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'सद्भाव के माध्यम से उपचार', जो संगीत की एकजुटता और उत्थान की क्षमता पर जोर देता है। विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य संगीत विशेषज्ञ व विश्व के संगीत कलाकारों को एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर लाकर विश्व एकता, सद्भाव, सौहार्द तथा विश्व शान्ति का सन्देश सारी दुनिया को देना भी है।

संगीत दिवस को फेटे डी ला म्यूजिक' के नाम से भी जाना जाता है। इसका अर्थ है संगीत उत्सव'। विश्व संगीत दिवस 110 देशों में ही मनाया जाता है जिनमें जर्मनी, इटली, मिस्र, सीरिया, मोरक्को, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, कांगो, कैमरून, मॉरीशस, फिजी, कोलम्बिया, चिली, नेपाल, और जापान आदि हैं। विश्व में सदा ही शांति बरकरार रखने के लिए ही फ्रांस में पहली बार 21 जून 1982 में प्रथम विश्व संगीत दिवस मनाया गया था, जिसका श्रेय तात्कालिक सांस्कृतिक मंत्री श्री जैक लो को जाता है। इससे पूर्व अमेरिका के एक संगीतकार योएल कोहेन ने वर्ष 1976 में इस दिवस को मनाने की बात की थी। इस त्यौहार के अलग-अलग देशों में अलग-अलग नाम हैं, उदाहरण के लिए फ्रांस में 'ला फेते डे ला म्यूजिक', यूके में 'मेक म्यूजिक डे', इटली में 'फेस्टा डेला म्यूजिका' या पोलैंड में 'स्विएटो मुजिकी'। भारत में संगीत जीवन का अभिन्न हिस्सा है, शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। ये संगीत का जादुई प्रभाव ही है कि नवजात शिशु भी झुनझुने की आवाज सुन किलकारी भरने लगता है। श्रीकृष्ण की बांसुरी की मीठी ध्वनि को सुन गोपियों का आकर्षित हो खिंचे चले आना-ये सारे किस्से संगीत की ही महिमा का बखान करते हैं।

विश्व संगीत दिवस पर सभी प्रकार के संगीत का जश्न मनाया जाता है, जिसमें फंक, जैज़, रॉक, शास्त्रीय, लोक, टेक्नो, ब्लूज़ आदि शामिल हैं। भारतीय संगीत प्राचीन काल से भारत मे सुना और विकसित होता संगीत है। शास्त्रीय संगीत आदि काल से है। संगीत के आदि स्रोत भगवान शंकर हैं। उनके डमरू से तथा श्रीकृष्ण की बांसुरी से संगीत के सुर निकले हैं। किंवदन्ति है कि संगीत की रचना ब्रह्माजी ने की थी। ब्रह्माजी ने ज्ञान की देवी सरस्वती को संगीत की सीख दी। मां सरस्वती के कर-कमलों में वीणा की उपस्थिति संगीत की महानता की कहानी स्वयं ही कह जाती है। देवी सरस्वती ने नारदजी को, नारदजी ने महर्षि भरत को तथा महर्षि भरत ने नाट्यकला के माध्यम से जन सामान्य में संगीत को पहुंचाया। सूरदास की पदावली, तुलसीदास की चौपाई, मीरा के भजन, कबीर के दोहे, संत नामदेव की सिखानियाँ, संगीत सम्राट तानसेन, बैजु बाबरा, कवि रहीम, संत रैदास संगीत को सदैव जीवित रखेंगे। इस संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पूर्व का है। इस संगीत का मूल स्रोत वेदों को माना जाता है। पंडित शारंगदेव कृत संगीत 'रत्नाकर' ग्रंथ मे भारतीय संगीत की परिभाषा 'गीतम, वादयम। तथा नृत्यं त्रयम संगीतमुच्यते' कहा गया है। गायन, वाद्य वादन एवम। नृत्य; तीनों कलाओं का समावेश संगीत शब्द में माना गया है। तीनो स्वतंत्र कला होते हुए भी एक दूसरे की पूरक है।

भारतीय संगीत के दो प्रकार प्रचलित है; प्रथम कर्नाटक संगीत, जो दक्षिण भारतीय राज्यों में प्रचलित है और दूसरा हिन्दुस्तानी संगीत शेष भारत में लोकप्रिय है। भारतवर्ष की सारी सभ्यताओं में संगीत का बड़ा महत्व रहा है। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं में संगीत का प्रचलन प्राचीन काल से रहा है। इस रूप में, संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा मानी जाती है। वैदिक काल में आध्यात्मिक संगीत को मार्गी तथा लोक संगीत को देशी' कहा जाता था। कालांतर में यही शास्त्रीय और लोक संगीत के रूप में दिखता है। भारत में संगीत मुगल बादशाहों की छत्रछाया में और कर्नाटक संगीत दक्षिण के मन्दिरों में सर्वाधिक विकसित हुआ। इसी कारण दक्षिण भारतीय कृतियों में भक्ति रस अधिक मिलता है और हिन्दुस्तानी संगीत में श्रृंगार रस। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। संगीत मनोरंजन का जरिया ही नहीं, बल्कि यह देशों-दुनिया की संस्कृति को भी समझने में मदद करता है। खुशी हो या फिर गम, संगीत दिल को सुकून देता है। कहते हैं संगीत की कोई भाषा नहीं होती, यह सरहदों के पार होता है, दिल से निकलकर दिल तक पहुंचता है। संगीत को प्रेम की भाषा भी कहा जाता है। किसी के दिन की शुरूआत संगीत से होती है तो किसी की रात संगीत पर खत्म हो जाती है। संगीत दिल को खुशी देने का काम करता है। संगीत सिर्फ सात सुरों में बंधा नहीं होता। इसे बांधने के लिए विश्व की सीमाएं भी कम पड़ जाती हैं। अगर इसे महसूस करें तो दैनिक जीवन में संगीत ही संगीत भरा है-कोयल की कूक, पानी की कलकल, हवा की सरसराहट, मन्दिर की झंकार, हर जगह संगीत ही तो है, बस जरूरत है तो इसे महसूस करने की। किसी के लिए संगीत का मतलब अपने दिल को शांति देना है तो कोई अपनी खुशी का संगीत के द्वारा इजहार करता है। प्रेमियों के लिए तो संगीत किसी रामबाण या ब्रह्मास्त्र से कम नहीं। संगीत में मूड ठीक करने की अद्भुत ताकत होती है। अच्छा संगीत बेचैनी कम करता है। शोध कहते हैं कि घंटों काम कर रहे व्यक्ति का कुछ देर अच्छा संगीत सुनना उनकी रचनात्मकता व कार्यक्षमता को बढ़ा सकता है।

संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत, ध्वनि का ऐसा लयबद्ध व्यवहार है जो हमें अपने आपसे जोड़ने में सहायक सिद्ध होता है। भारतीय संस्कृति में भी विभिन्न वाद्य-यंत्रों एवं उनसे उत्पन्न ध्वनि, राग-रागिनियों का विशिष्ट महत्त्व है। यूं तो सृष्टि के कण-कण में संगीत है फिर चाहे यह बहती हुई नदिया की धारा हो या किनारे से टकराकर लौटती समंदर की प्रचंड लहरें। बहती हुई हवा और उस पर झूमते-लहराते पत्ते भी हृदय के इसी तरंगित साज को अभिव्यक्ति देते प्रतीत होते हैं। कुल मिलाकर संगीत हमारी आत्मा में इस तरह रच-बस चुका है कि इसके बिना जीवन की कल्पना ही व्यर्थ है। बहुत से लोगों को किसी दर्द को कम करने या फिर दर्द से जूझने के लिए भी संगीत सहायक साबित होता है। इससे मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक दर्द भी कम होता महसूस होता है। आपकी कोमल भावनाओं की सहज, सुन्दर अभिव्यक्ति है, संगीत। इन्हीं पलों को उल्लास के साथ जीने के लिए प्रेरणा देता है विश्व संगीत दिवस।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फोटो सेशन

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत गुरुवार को कश्मीर के पहलगाम में होटल हीवन में एक पर्यटक के साथ फोटो खिंचवाते हुए।

भारतीय छात्रों ने ईरान के भयावह हालात याद किए

नई दिल्ली/भाषा

युद्धग्रस्त ईरान से सुरक्षित निकाले जाने के बाद बृहस्पतिवार को वापस लौटे छात्रों ने वहां के भयावह मंजर को बयां किया। वापस लौटे एमबीबीएस छात्र मीर खलीफ ने कहा, ''हमारे पड़ोस में ही आसमान से मिसाइलें गिर रही थीं, बमबारी हो रही थी।'' खलीफ, उन 110 भारतीय छात्रों में से एक हैं जो बृहस्पतिवार को सुबह-सुबह पहली निकासी उड़ान से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत इन छात्रों को भारत लाया गया।

जम्मू-कश्मीर के 90 छात्र सहित इन सभी को ईरान के शहरों में विस्फोट और हवाई हमले के मद्देनजर इस सप्ताह की शुरुआत में तेहरान से आर्मेनिया ले जाया गया था। बचाव अभियान में समन्वय भारतीय दूतावास द्वारा किया गया।खलीफ ने ईरान की भयावह यादों को एक बुरा सपना बताया और उन्हें पहले आर्मेनिया पहुंचाने, फिर वतन वापसी के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''हमने मिसाइलें गिरती देखी। युद्ध हो रहा था। हमारे पड़ोस में बमबारी हो रही थी। हम बेहद डर गए। मैं दुआ करता हूं कि किसी छात्र को ऐसे दिन कभी न देखने पड़ें।''

खलीफ ने कहा, ''ईरान में अब भी छात्र फंसे हैं। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि उन्हें भी जल्द भारत लाया जाएगा।'' कश्मीर की छात्रा वार्ता के चेहरे पर भी डर साफ दिख रहा था। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''हम पहले समूह हैं जिन्हें ईरान से निकाला गया है। स्थिति काफी गंभीर थी। हम डरे हुए थे। हम भारत सरकार और भारतीय दूतावास का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें यहां लाने के लिए बहुत तेजी से काम किया।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पड़ोस में ही हमले हो रहे थे। जब भारत सरकार से संपर्क हुआ तब जाकर हमने राहत की सांस ली।''कश्मीर के एक अन्य छात्र हुजैफ मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम 90 लोग कश्मीर से हैं। हम आज सुबह यहां पहुंचे और अब हम स्लीपर बसों से कश्मीर जा रहे हैं। कुछ छात्र विमान से भी अपने घर के लिए रवाना हो गए हैं।

अमेरिका ने विदेशी छात्रों के लिए वीजा प्रक्रिया फिर शुरू की, सोशल मीडिया खाते 'अनलॉक' रखने होंगे

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के विदेश विभाग ने बुधवार को कहा कि वह छात्र वीजा के लिए आवेदन करने वाले विदेशी विद्यार्थियों के लिए निलंबित प्रक्रिया को फिर से शुरू कर रहा है, लेकिन अब सभी आवेदकों को सरकारी समीक्षा के लिए अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'अनलॉक' रखने होंगे।

विभाग ने कहा कि वाणिज्य दूतावासों के अधिकारी उन पोस्ट और संदेशों पर नजर रखेंगे जिन्हें अमेरिका, उसकी सरकार, संस्कृति, संस्थानों या संस्थापक सिद्धांतों के लिए शत्रुतापूर्ण माना जा सकता है।

बुधवार को सार्वजनिक किए गए एक नोटिस में, विभाग ने कहा कि उसने छात्र वीजा प्रक्रिया के निलंबन के अपने मई के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन कहा कि नए आवेदक जो अपने सोशल मीडिया अकाउंट को 'सार्वजनिक' करने और उनकी समीक्षा करने की अनुमति देने से इनकार करते हैं, उनके आवेदन को खारिज किया जा सकता है।

उसने कहा कि ऐसा करने से इनकार करना इस बात का संकेत हो सकता है कि वे बचने या अपनी ऑनलाइन गतिविधि को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले महीने अमेरिका में अध्ययन करने की उम्मीद कर रहे विदेशी छात्रों के लिए नए वीजा साक्षात्कारों की समय-सारणी को अस्थायी रूप से रोक दिया था, क्योंकि वह सोशल मीडिया पर उनकी गतिविधि पर निगरानी का विस्तार करने की तैयारी कर रहा था।

दुनिया भर के छात्र उत्सुकता से अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों द्वारा वीजा साक्षात्कार के लिए समय देने की प्रक्रिया फिर से शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि शिक्षण वर्ष की शुरुआत से पहले उनके पास यात्रा की बुकिंग करने और आवास की व्यवस्था करने के लिए कम समय बचा है।

कांग्रेस के कुछ नेताओं से मेरी राय अलग है: शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/भाषा

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी नेतृत्व में कुछ नेताओं से उनके मतभेद हैं, लेकिन नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर वह इस बारे में बात नहीं करेंगे। थरूर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस, उसके मूल्य और उसक` कार्यकर्ता उन्हें बहुत प्रिय हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद, नरेन्द्र मोदी सरकार के रुख का समर्थन करने के कारण थरूर कुछ पार्टी सहयोगियों के निशाने पर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्होंने 16 वर्ष तक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ निकटता से काम किया है और वह उन्हें अपना करीबी मित्र एवं भाई मानते हैं।

थरूर ने कहा, ''हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व में कुछ लोगों से मेरी राय अलग है। आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, क्योंकि उनमें से कुछ मुद्दे सार्वजनिक हैं और आपने (मीडिया ने) इस बारे में खबरें दी हैं।'' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनके मतभेद राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ हैं या प्रदेश नेतृत्व के साथ। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने संकेत दिया कि वह उपचुनाव के नतीजों के बाद उन मतभेदों के बारे में बात कर सकते हैं। थरूर की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पार्टी के एक नेता द्वारा उन्हें ''भाजपा का सुपर प्रवक्ता'' बताये जाने के बाद कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन नहीं किया। पूर्व कांग्रेस सांसद उदित राज ने थरूर को भाजपा का ''सुपर प्रवक्ता'' करार दिया था क्योंकि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के तहत विदेश दौरे पर गये तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कथित तौर पर कहा था कि भारत ने पहली बार 2015 में नियंत्रण रेखा पार की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने बृहस्पतिवार को इसे ''गलत धारणा'' करार दिया।

सोनी सब के कलाकारों ने योग के जरिए फिट रहने के टिप्स बताए

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के कलाकारों ने बताया कि कैसे योग उन्हें फिट रखता है और दिन की सकारात्मक शुरुआत करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोनी सब के लोकप्रिय कलाकार प्रियम्वदा कांत, आशी सिंह और सायली सालुंखे ने बताया है कि कैसे छोटे-छोटे योग अभ्यासों ने उनकी दिनचर्या में बड़े बदलाव लाए हैं। शांत श्वास से लेकर माइंडफुल मूवमेंट तक, ये कलाकार बता रही हैं कि योग उन्हें न केवल फिट रखता है, बल्कि शूटिंग से पहले उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा भी करता है। तेनाली रामा में शारदा की भूमिका निभा रहीं प्रियमवदा कांत ने कहा,मैं अपने दिन की शुरुआत सूर्य नमस्कार से करती हूं। यह हैरानी की बात है कि कोई इतनी सरल चीज़ आपको कितनी गहराई से ज़मीन से जोड़ सकती है। शारदा एक ऐसा किरदार है जो साधारण में भी उम्मीद खोजती है, और मुझे लगता है योग भी कुछ ऐसा ही करता है। यह सिर्फ शरीर को नहीं बल्कि सोच को भी फैलाता है। अपने आप के साथ बिताया गया यह शांत समय भले ही कुछ ही मिनटों का हो पूरा दिन कैसे जिएंगे, इसका तरीका ही बदल देता है।

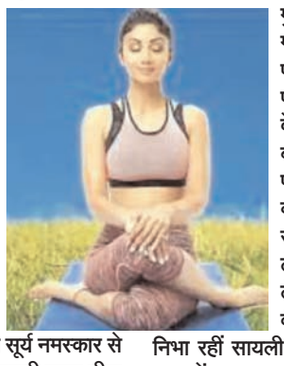

एक ऐसी दुनिया में जहां सब तेज़ी से भाग रहे हैं, यह कुछ माइंडफुल ब्रीदिंग मुझे ठहरने, अपने शरीर, अपने विचारों और कभी-कभी उस मौन को सुनने की याद दिलाती हैं। उफ्फ ये लव है मुश्किल' में कैरी शर्मा का किरदार निभा रहीं आशी सिंह ने कहा,योग मेरी एक शांत नींव बन गया है। भले ही मैं केवल दस मिनट का प्राणायाम करूं या सेट पर जाने से पहले कुछ स्ट्रेचिंग, इसका असर मुझे तुरंत महसूस होता है। एक शांति महसूस होती है, जैसे दिन शुरू होने से पहले ही मैं खुद से जुड़ चुकी हूं। यह परफेक्ट करने की बात नहीं है। यह खुद के लिए, रोज़ थोड़ा-थोड़ा करने की बात है। समय के साथ ये छोटे-छोटे पल बहुत मायने रखने लगते हैं। और व्यस्त या तनावभरे दिनों में, यह थोड़ी सी शांति मुझे ठहरने और गहरी सांस लेने की याद दिलाती है। यह सरल है लेकिन वाकई में बहुत मददगार भी है। वीर हनुमान में माता अंजनी की भूमिका निभा रहीं सायली सालुंखे ने कहा,मेरे लिए योग केवल आसनों का अभ्यास नहीं है। यह खुद से एक आत्मीय संवाद है। यह वह समय है जब मैं धीमे-धीमे चलना सीखती हूं, गहरी सांसें लेती हूं और अपने भीतर की शांत शक्ति को सुनती हूं। मुझे विश्वास है कि कुछ मिनटों की माइंडफुल ब्रीदिंग या हल्की स्ट्रेचिंग भी आपके पूरे दिन की दिशा बदल सकती है। योग ने मुझे संतुलन सिखाया है। सिर्फ चटाई पर ही नहीं, बल्कि हर भावना और हर चुनौती में भी। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मैं सभी से, खासकर युवा पीढ़ी से आग्रह करती हूं कि वे योग को सिर्फ एक ट्रेंड के रूप में नहीं, बल्कि जीवन भर के साथी के रूप में अपनाएं। आपको परिपूर्ण नहीं बनना है।

'बाग़ी बेचारे' की भोपाल शेड्यूल की शूटिंग हुई पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बनर्जी ने अपनी आने वाली फिल्म बाग़ी बेचारे की भोपाल शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म बागी बेचारे का निर्देशन सुमित पुरोहित कर रहे हैं और इसमें प्रतीक गांधी और फैसल मलिक भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। भोपाल शहर के दिल को छू लेने वाले लोकेशनों पर बड़े पैमाने पर शूटिंग की गयी। शूटिंग खत्म होने के मौके पर अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर निर्देशक सुमित पुरोहित को केक खिलाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में सेट पर सभी की खुशी और आपसी दोस्ती साफ झलक रही थी। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा, भोपाल में 'बाग़ी बेचारे' की शूटिंग का सफर बेहद शानदार रहा। सुमित पुरोहित, जो इस फिल्म के निर्देशक हैं, उन्होंने बहुत ही बेहतरीन काम किया है और शूटिंग शेड्यूल बहुत स्मूद रहा। प्रतीक गांधी और फैसल मलिक जैसे टैलेंटेड और ज़मीन से जुड़े कलाकारों के साथ काम करना सच में एक खुशनुमा अनुभव रहा। हमने साथ में खूब हंसी-मज़ाक किया, दिल से बातें कीं और कई यादगार सीन शूट किए।

'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं हुनर हाली गांधी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुनर हाली गांधी सोनी सब के शो 'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं। सोनी सब का शो 'वीर हनुमान' अपने प्रभावशाली कलाकारों और बाल हनुमान की कम सुनी कहानियों के कारण दर्शकों के बीच लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इन सभी पात्रों में से जो एक किरदार खासतौर पर सामने उभरकर आता है, वह है रानी कैकेयी का। इसे हुनर हाली गांधी निभा रही हैं। अपने सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस और प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाने वाली हुनर इस पौराणिक पात्र को एक नए दृष्टिकोण से पेश कर रही हैं। परंपरागत रूप से प्रस्तुत की जाने वाली कैकेयी की छवि से हटकर, इस शो में उन्हें एक निडर योद्धा रानी, समर्पित पत्नी और अत्यंत स्नेही मां के रूप में दिखाया गया है।एक ऐसा किरदार जो भावनात्मक जटिलताओं, साहस और मातृत्व से परिपूर्ण है। यह भूमिका शो की व्यापक कथा में एक केंद्रीय स्थान रखती है।

कैकेयी के अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हुनर हाली गांधी ने कहा,मैं भगवान की बेहद आभारी हूं कि मुझे यह भूमिका निभाने का अवसर मिला। कैकेयी मेरे 18 साल के सफर में निभाए गए सबसे परतदार और शक्तिशाली किरदारों में से एक है। वह सिर्फ एक रानी नहीं है जैसी लोग उसे समझते हैं।वह एक जुझारू योद्धा है, समर्पित मां है, और ऐसी स्त्री है जिसके फैसले गहरे प्रेम और कर्तव्य से प्रेरित होते हैं। जब मैंने इसका नैरेशन सुना, तो मैं भावुक हो गई और तुरंत हां कह दिया। शूटिंग कभी-कभी चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन सेट की ऊर्जा बेहद शानदार है। हम हंसते हैं, सीखते हैं, और एक-दूसरे को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। इस भूमिका ने मुझे सिर्फ कलात्मक संतुष्टि ही नहीं दी, बल्कि यह भी याद दिलाया कि परिवार और करियर, भावना और जिम्मेदारी के बीच संतुलन कितना ज़रूरी है।

फिल्म 'पेड्डी' में दिखेगा राम चरण का एक्शन

मुंबई/एजेन्सी

ग्लोबल स्टार राम चरण फिल्म 'पेड्डी' में जबरदस्त एक्शन करते नजर आयेंगे। फिल्म 'पेड्डी' की शूटिंग जोरो शोरो से चल रही है और रामचरण इस फिल्म के लिये ज़बरदस्त मेहनत कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशक बुच्ची बाबू सना का विजन काफी भव्य है और राम चरण उसे पर्दे पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। फिल्म की पहली झलक सामने आते ही सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में आ गयी थी। वैसे तो ये एक स्पोर्ट्स बेस्ड फिल्म है, लेकिन इसमें सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि और भी बहुत कुछ है जो लोगों को थियेटर में बांधे रखेगा। तहाल ही में फिल्म के कुछ अहम सीन एक गांव के सेट पर शूट किये गये थे। अब शूटिंग हैदराबाद में बनाये गये एक खास ट्रेन सेट पर हो रही है, जहां एक धमाकेदार ट्रेन एक्शन सीन फिल्माया जा रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसा एक्शन सीक्वेंस आज तक भारतीय सिनेमा में नहीं देखा गया है। इस हाई-वोल्टेज ट्रेन सीन को राम चरण खुद कर रहे हैं और इसमें वो अपने करियर के सबसे खतरनाक स्टंट करते दिखेंगे। इस सीन की शूटिंग 19 जून तक चलेगी।बुच्ची बाबू के निर्देशन में बनी फिल्म पेड्डी का निर्माण वेंकट सत्यश किलारू कर रहे हैं और माइथ्री मूवी मेकर्स व सुकुमार राइटिंग्स मिलकर प्रजेंट कर रहे हैं। इस फिल्म का स्क्रिप्ट भी बुच्ची बाबू ने ही तैयार किया है। फिल्म पेड्डी में एक्शन की कोरियोग्राफी नबकंठ मास्टर कर रहे हैं। ये ट्रेन सीक्वेंस फिल्म का सबसे बड़ा हाईलाइट होगा।

इस फिल्म में जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे दमदार अभिनेता भी इस फिल्म में नजर आएंगे।फिल्म पेड्डी की सिनेमैटोग्राफी आर. रत्नवेलु कर रहे हैं तथा म्यूजिक का कमान ए.आर. रहमान, एडिटिंग की जिम्मेदारी संभाली है।

अपनी फिल्म के भारत में रिलीज न होने से दुखी हूं : अभिनेत्री सुनीता राजवार

मुंबई/भाषा। वेब सीरीज 'पंचायत-4' में अहम किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवार ने कहा कि यह निराशाजनक है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त करने के बावजूद उनकी फिल्म ''संतोष'' भारत में रिलीज नहीं होगी। संध्या सूरी के निर्देशन वाली यह फिल्म सेंसर प्रमाणपत्र मिलने में बाधा के कारण भारत में रिलीज नहीं हो सकी है। यह 2025 में ऑस्कर में ब्रिटेन की ओर से भेजी गयी आधिकारिक फिल्म थी। फिल्म में दो महिला अधिकारियों में से एक का किरदार निभाने वाली राजवार ने कहा कि फिल्म में उनकी भूमिका अब तक का सबसे बेहतरीन अभिनय है। उन्होंने कहा, ''मैं दुखी हूं क्योंकि इसमें मेरा बहुत अलग किरदार है, यह एक अच्छी भूमिका है, यह एक बड़ी भूमिका है। हर कलाकार चाहता है कि सभी उनका बेहतरीन काम देखें। हम उम्मीद करते हैं कि अगर लोग हमारा काम देखते हैं तो आपको उस स्तर के किरदार निभाने का मौका मिलेगा या कुछ अलग तरह के किरदार निभाने की पेशकश मिलेगी।''

'पंचायत-4' की अभिनेत्री ने 'पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''हम सभी चाहते हैं कि दर्शकों को कम से कम इसे (फिल्म को) देखने का मौका मिले और वह देखें कि हमने इसमें क्या किया है। इस पर पाबंदी है। वे (फिल्म निर्माता) कोशिश कर रहे हैं लेकिन सेंसर बोर्ड बहुत ज्यादा काटछांट के लिए कह रहा है जो कि संभव नहीं है।'' ग्रामीण उत्तर भारत की पृष्ठभूमि में बनी 'संतोष' युवा हिंदू विधवा शाहना गोस्वामी की कहानी है जिसे सरकार की एक योजना की वजह से पुलिस कांस्टेबल के रूप में अपने पति की नौकरी मिल जाती है। हालांकि, वह खुद को सरकारी व्यवस्था में जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार में फंसी हुई पाती है। इस दौरान वह दलित समुदाय की एक किशोरी की निर्मम हत्या के मामले में इंस्पेक्टर शर्मा (राजवार) के साथ काम करती है। लेकिन उसका उत्साह तब चकनाचूर हो जाता है, जब वो देखती है कि सबको सबकुछ पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर सकते।

साउथ ही नहीं बॉलीवुड की भी 'सिंघम गर्ल' हैं काजल अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाली 'सिंघम गर्ल' काजल अग्रवाल का 19 जून को 40वां जन्मदिन है। तेलुगू, तमिल और हिंदी सिनेमा में अपनी शानदार एक्टिंग से लाखों दिलों पर राज करने वाली काजल न केवल साउथ बल्कि बॉलीवुड की भी 'सिंघम गर्ल' हैं। आज के समय में काजल की गिनती भले ही इंडस्ट्री की सबसे सफल अभिनेत्रियों में की जाती है, मगर काजल ने साल 2004 में बॉलीवुड फिल्म 'क्यों! हो गया ना...' में ऐश्वर्या राय की दोस्त का छोटा सा रोल निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड से शुरुआत करने के बावजूद उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका, लिहाजा उन्होंने साउथ सिनेमा की ओर रुख किया। साउथ सिनेमा से ही उन्हें असली पहचान मिली। साल 2007 में तेलुगू फिल्म 'लक्ष्मी कल्याणम' से डेब्यू के बाद उसी साल 'चंदमामा' ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। उनकी सफलता में अहम रोल निभाया साल 2009 में आई 'मगधीरा' ने, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। राम चरण के साथ उनकी जोड़ी और राजकुमारी 'इंदु' के किरदार ने खूब वाहवाही बटोरी। यह फिल्म तेलुगू सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही। इसके बाद 'डार्लिंग', 'बृंदावनम', 'मिस्टर परफेक्ट', 'बिजनेसमैन', 'नायक', 'बादशाह', 'टेंपर' और 'कैदी नंबर 150' जैसी तेलुगू सफल फिल्मों ने उन्हें साउथ की टॉप एक्ट्रेस में से एक बना दिया। तेलुगू के साथ ही काजल ने तमिल सिनेमा में भी खास मुकाम हासिल किया। 'नान महान अल्ला', 'थुप्पक्की', 'जिल्ला', 'विवेगम' और 'मेर्सल' जैसी फिल्मों ने उनकी एक्टिंग का लोहा मनवाया। साल 2004 के बाद काजल ने 2011 में 'सिंघम' के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी की। अजय देवगन के साथ उनकी केमिस्ट्री और 'काव्या भोसले' का किरदार दर्शकों को खूब भाया। इस फिल्म ने उन्हें 'बेस्ट फीमेल डेब्यू' के लिए फिल्मफेयर नॉमिनेशन भी दिलाया। बॉलीवुड में सफलता का सिलसिला थमा नहीं और साल 2013 में 'स्पेशल 26' के साथ यह आगे बढ़ा, जिसमें अक्षय कुमार के साथ उनकी परफॉर्मेंस को भी सराहा गया। हालांकि, बॉलीवुड में उनकी फिल्में कम रहीं, लेकिन हर रोल में उन्होंने अपनी शानदार छाप छोड़ी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 20-06-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

सुरेश कुमार मोदी

संजय अग्रवाल

सुरेश मोदी फिर बने एकल श्रीहरि सत्संग समिति के अध्यक्ष, अग्रवाल बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एकल श्रीहरि सत्संग समिति के बेंगलूरु चैप्टर की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को राष्ट्रीय महामंत्री विजय केडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मक्खन किशोर गोयल एवं सीमा अजगांवकर की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में समिति की नई कार्यकारिणी कमेटी की औपचारिक घोषणा की गई। नई कमेटी में सुरेश कुमार मोदी को अध्यक्ष, संजय अग्रवाल को सचिव, सुनील शाह को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा कोर कमेटी सदस्य के रूप में प्रहलाद अग्रवाल, अंजना शर्मा, नीरा लड्ढा, सुनीता मालपानी, शोभा भल्ला, मीरा अग्रवाल, सतीश गोयल एवं श्रेया अग्रवाल को शामिल किया गया है।

आधुनिकता की दौड़ में सिद्धांतों और परंपराओं उड़ रहीं धज्जियाँ : आचार्यश्री विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। गुरुवार को स्थानीय आदिनाथ जैन धर्मशाला में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आधुनिक युग में धर्म और संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को बचाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए घर-घर में अपने इतिहास और ज्ञान की अलख जगानी चाहिए वरना पश्चिम की आंधी, आधुनिक होने की अंतहीन होड़ तथा भोग-उपभोग के इस युग में स्वयं बचना और अपनी नई पीढ़ी को बचाना संभव नहीं होगा। आज परिवार का ताना बाना टूट रहा है। पढ़ाई, नौकरी और विवाह के लिए लोग शहरों की ओर भाग रहे हैं। मां-बाप और बड़े बुजुर्ग कहीं पीछे छूट रहे हैं। व्यसन भारतीय समाज का हिस्सा बन रहा है। वर्जनाएं टूट रही हैं। फूहड़ता को सामाजिक मान्यता प्राप्त हो रही है। इन अनचाहे परिवर्तनों में मध्यम वर्ग पूरी तरह उलझ गया है। ऐसे में धर्म, ज्ञान, गुरु और सत्साहित्य ही आपको बचा सकता है अन्यथा वह समय दूर नहीं जब भारतीय जनजीवन परेशान और दुःखी हो जाएगा। जैनाचार्य ने कहा कि मर्यादाएं महत्वपूर्ण होती हैं। जो मर्यादाओं को पहचानते हैं और उनके अनुसार जीवनयापन करते हैं, वे जीवन को सुखी और उन्नत तो बनाते ही हैं, उसे सुरक्षित रखने में भी सफल हो जाते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि हम नीति-नियमों में पूरी निष्ठा रखें, स्वच्छंदी न बनें। हित की बातों को सुनें और उन्हें मानें। सिद्धांतों से समझौते न करें। आधुनिक और पढ़े-लिखे होने का यह अर्थ नहीं है कि हम परंपराओं और सिद्धांतों की धज्जियां उड़ा दें। नीति-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुचारू व्यवस्था है।गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि मित्र तो दुनिया में चाहे जितने मिल सकते हैं या बनाए जा सकते हैंलेकिन कल्याण मित्र का मिलना जीवन का सौभाग्य है। कल्याण मित्र वे होते हैं जो सिर्फ शरीर, धन या परिवार के सुख की ही नहीं, हमारे, मन, गुण, धर्म, अध्यात्म तथा जीवन के वास्तविक हितों की चिंता करते हैं। जैन संघ के अध्यक्ष केसरीमल बागरेचा ने बताया कि शनिवार को सुबह आचार्यश्री के सान्निध्य में राजस्थान प्रवासी समाज के लोगों के लिए विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कर्नाटक में कुमारधारा नदी के तट पर मगरमच्छ दिखने से लोगों में दहशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुत्तूर (दक्षिण कन्नड़)। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर में उप्पिनंगडी के निकट कुमारधारा नदी के किनारे एक मगरमच्छ देखा गया, जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार शाम जैसे ही इस विशाल मगरमच्छ को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हुई वह आक्रामक हो गया लेकिन कुछ देर बाद ही नदी के पानी में चला गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मगरमच्छ को सबसे पहले एक स्थानीय निवासी शेख हाजी के घर के पास नदी किनारे आराम करते हुए देखा गया था। उन्होंने कहा कि बच्चों ने दूर से ही इसे देख कर स्थानीय लोगों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। अधिकारियों के अनुसार दो वर्ष पूर्व पंजा के पास नेत्रवती नदी में दो बड़े मगरमच्छ देखे गए थे, पिछले वर्ष भी यहां नेत्रवती नदी के किनारे एक बड़ा मगरमच्छ देखा गया था। उप्पिनंगडी की बाढ़ बचाव टीम के सदस्य और होम गार्ड कर्मी दिनेश बी. ने बताया कि कुछ दिन पहले, जब नदी का जल स्तर कम था तो नेत्रावती नदी में काडाविनबागिलु के पास लगभग 10 ऊदबिलावों का एक झुंड भी देखा गया था।

दीक्षार्थी राजुल खटेड़ का हुआ सम्मान, साध्वी ने एटीडीसी का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन, हनुमंतनगर में विराजित साध्वी श्री पुण्ययशा जी के दर्शनार्थ गुरुवार को दीक्षार्थी राजुल खटेड़ भवन पहुंचीं। इस मौके पर साध्वीश्री ने दीक्षार्थी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि जीवन का जो महालक्ष्य आपने तय किया है उस पर दिन प्रतिदिन वर्धमान भावों के साथ बढ़ते रहें। ज्ञान, दर्शन, चारित्र की वृद्धि करना और संघ की प्रभावना करना। तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मण्डल के पदाधिकारियों ने दीक्षार्थी राजुल खटेड़ का सम्मान किया। महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष मंजू दक ने दीक्षार्थी के प्रति आध्यात्मिक जीवन की मंगलकामना की।

एक अन्य कार्यक्रम में साध्वीश्री पुण्ययशा जी, वर्धमानयशाजी ने तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर(एटीडीसी) एवं डेंटल केयर का अवलोकन किया। इस मौके पर एटीडीसी के संयोजक गौतम खाब्या, सभा के अध्यक्ष गौतम दक, महिला मण्डल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, परिषद के अध्यक्ष कमलेश झाबक, उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री नवरतन बोल्या,रमेश नाहर आदि उपस्थित थे।

कोतनूर के राजस्थानी प्रवासियों ने धर्मगुरु दीवान माधवसिंह का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कोतनूर में आईपंथ के धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी का आगमन हुआ। उनके आगमन पर राजस्थानी प्रवासियों ने धर्मगुरु का सम्मान किया। सभा को संबोधित करते हुए ईसीपीएल सॉफ्टवेर कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रकाश चौहान ने धर्मगुरु दीवान साहब को माताजी का चमत्कार बताया। चौहान परिहार की ओर से धर्मगुरु का सम्मान किया गया। इस मौके पर धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी ने कहा कि आज के समय में युवाओं को समाज सेवा के कार्यों में जोड़ने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कार्यों में बच्चों व नई पीढ़ी को शामिल किया जाना चाहिए, इससे उनमें सेवा की भावना पैदा होगी। दीवान ने राजस्थानी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि इस समुदाय ने पैसा कमाने के साथ साथ समाज सेवा के भी महान काम किए हैं। इस अवसर पर माली सैनी समाज वर्तूर के उपाध्यक्ष ओगाड़राम चौहान, सीरवी महासभा कर्नाटक के सचिव अमरचन्द सानपुरा, सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम के पूर्व अध्यक्ष तुलसाराम राठौड़, अध्यक्ष जोगाराम परिहार, युवा मंडल के अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भजन गायक कैलाश पंवार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पटौदी परिवार से कहा कि उनकी विरासत जीवित रखने का पूरा प्रयास करूंगा : तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें जैसे ही पता चला कि भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट शृंखला के लिये ट्रॉफी का नाम बदला जा रहा है, उन्होंने दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के परिवार से संपर्क किया और उन्हें आश्वस्त किया कि इस शृंखला से पूर्व कप्तान का जुड़ाव खत्म नहीं होगा। पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर तेंदुलकर और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम पर एंडरसन - तेंदुलकर ट्रॉफी रखा गया है। यह फैसला इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई ने मिलकर लिया है।

तेंदुलकर ने पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' मुझे पता है कि बीसीसीआई ने कुछ महीना पहले पटौदी ट्रॉफी को रिटायर किया है। लेकिन जब मुझे पता चला कि इसका नाम मेरे और एंडरसन के नाम पर रखा जा रहा है तो मैने सबसे पहले पटौदी परिवार को फोन किया।'' उन्होंने कहा ,'' टाइगर पटौदी ने कई पीढियों को प्रेरित करने में बड़ी भूमिका निभाई है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। मुझे खुशी है कि उनके सम्मान में एक पदक देने का फैसला किया गया है।

'ठग लाइफ': 'किसी की भावनाएं आहत होने के कारण फिल्म या स्टैंड अप कॉमेडी पर रोक नहीं लगाई जा सकती'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक सरकार को कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' के राज्य में प्रदर्शन में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया और कहा कि किसी फिल्म, 'स्टैंड-अप कॉमेडी' या कविता पाठ को सिर्फ इसलिए नहीं रोका जा सकता कि इससे किसी की भावनाएं आहत हुई हैं।

न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा, भारत में भावनाएं आहत होने का कोई अंत नहीं है। यदि कोई स्टैंड-अप कॉमेडियन कुछ कहता है, तो भावनाएं आहत हो जाती हैं और तोड़फोड़ व विरोध प्रदर्शन होते हैं। हम कहां जा रहे हैं? क्या इसका मतलब यह है कि विरोध के कारण फिल्म रोक दी जानी चाहिए या स्टैंड-अप कॉमेडी रोक दी जानी चाहिए या कविता पाठ बंद कर दिया जाना चाहिए?

इसके बाद शीर्ष अदालत ने कर्नाटक सरकार का यह आश्वासन स्वीकार किया कि वह फिल्म प्रदर्शित करने वाले सिनेमाघरों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराएगी। पीठ ने कहा, राज्य ने हलफनामा दायर कर फिल्म के प्रदर्शन का रास्ता साफ कर दिया है...हमें लगता है कि इस मामले को बंद करना न्याय के हित में होगा। हम दिशा-निर्देश जारी करना या जुर्माना लगाना उचित नहीं मानते। हालांकि, हम कर्नाटक राज्य को निर्देश देते हैं कि यदि कोई व्यक्ति या समूह

फिल्म के प्रदर्शन में बाधा उत्पन्न करता है या जबरदस्ती या हिंसा करता है, तो राज्य को क्षतिपूर्ति समेत आपराधिक और नागरिक कानून के तहत तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) से भी इस बारे में सवाल किया कि उसने दिग्गज अभिनेता कमल हासन से उनकी इस टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा था कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है। पीठ ने पूछा, हम ऐसा होने की अनुमति नहीं दे सकते।

सिर्फ एक राय के कारण क्या एक फिल्म रोक दी जानी चाहिए? एक स्टैंड-अप कॉमेडी रोक दी जानी चाहिए? एक कविता का पाठ रोक दिया जाना चाहिए?

हालांकि, केएफसीसी के वकील ने कहा कि उन्होंने कोई धमकी नहीं दी, बल्कि केवल एक पत्र जारी किया कि राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहा है और कृपया माफी मांगने पर विचार करें। केएफसीसी के वकील ने कहा कि भीड़ उनके दफ्तर में घुस आई थी और उसके बाद उन्होंने एक पत्र जारी किया था। न्यायमूर्ति भुइयां ने पूछा कि क्या केएफसीसी ने इस संबंध में पुलिस से कोई शिकायत की है।

उन्होंने कहा, आप वास्तव में भीड़ के दबाव में आ गए। क्या आप पुलिस के पास गए? नहीं। इसका मतलब है कि आपको उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं है। आप बस बच रहे हैं। केएफसीसी के वकील ने कहा कि वे अदालत द्वारा पारित किसी भी आदेश का पालन करेंगे। फिल्म के निर्माताओं में से एक, कमल हासन की राजकमल फिल्म इंटरनेशनल लिमिटेड की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि हालांकि अब तक (कमाई में) 30 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है, लेकिन अगर राज्य फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए सहमत हो जाता है, तो उन्हें कोई समस्या नहीं है। शीर्ष अदालत एम महेश रेड्डी द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हासन की टिप्पणियों के बाद कर्नाटक में फिल्म रिलीज करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

शीर्ष अदालत ने अभिनेता की फिल्म राज्य के सिनेमाघरों में प्रदर्शित नहीं किए जाने पर 17 जून को कर्नाटक सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि भीड़ को सड़कों पर डेरा जमाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के ओमकार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित ओमकार गौशाला शिवगंगा में श्री रेणुकाचार्य कुटीर का उद्घाटन एवं वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ मलय शांतामुनि देसीकेंद्र शिवाचार्य स्वामीजी के सान्निध्य में मधुसूदन बाहेती ने कुटीर का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत एवं गौ भक्तों ने गौ पूजन किया। मुणोत ने कहा कि गाय पृथ्वी का पोषण व आधार है। इस अवसर पर एल गुरु प्रसाद, दीपक आरवी, एचआर दयानंद एवं बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय ने भूमि अतिक्रमण मामले में कुमारस्वामी के खिलाफ एसआईटी जांच पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी को अंतरिम राहत देते हुए रामनगर जिले के केथागनहल्ली गांव में कथित भूमि अतिक्रमण की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच पर अस्थायी रोक लगा दी। राज्य सरकार ने जनवरी 2025 में कुमारस्वामी पर अवैध भूमि कब्जे में संलिप्तता के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था।

जांच की वैधता को चुनौती देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ई.एस. इंद्रेश ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि एसआईटी गठित किये जाने के सरकारी आदेश के साथ कोई

आधिकारिक अधिसूचना नहीं थी। इस चूक को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तक एसआईटी के गठन और कुमारस्वामी को जारी समन पर रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय ने सरकारी वकील को भी याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता उदय होला और अधिवक्ता निशांत ए.वी. ने अदालत में कुमारस्वामी का प्रतिनिधित्व किया। अदालत के इस आदेश को जनता दल (सेक्युलर) नेता के लिए एक राहत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने एसआईटी कार्रवाई के पीछे राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया है। कुमारस्वामी का कहना है कि विवादित भूमि 1984 में उनके द्वारा वैधानिक रूप से हासिल की गई थी और वह मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर उनके खिलाफ लक्षित अभियान चलाने का लंबे समय से आरोप लगाते रहे हैं।

रामनगर में चल रहे भूमि सर्वेक्षण की आलोचना करते हुए कुमारस्वामी ने इसे राजनीति से प्रेरित कदम बताया। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, पहले एसआईटी का नेतृत्व आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी करते थे। अब आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) अधिकारी भी उनका नेतृत्व कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने शिकायतों की वैधता पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि उनके पास अवैध भूमि सौदों में दूसरों को फंसा सकने वाले सबूत हैं।

दक्षिण अफ्रीका रंगभेद युग में हुई हत्याओं की नये सिरे से जांच कराएगा

जोहानिसबर्ग/एपी। नोम्बुइसेलो म्हलाउली को जब उनके पति का शव दफनाने के लिए सौंपा गया, तो उनके सीने में 25 से अधिक और पीठ में सात घाव थे तथा गले पर भी गहरा जख्म था। उनका दाहिना हाथ भी नहीं था। सिसेलो म्हलाउली उन चार अश्वेत लोगों में से एक थे, जिन्हें 40 साल पहले इसी महीने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद दौर के सुरक्षा बलों ने अगवा कर लिया था, प्रताड़ित किया और मार डाला था। उनकी मौत के लिए किसी को भी जवाबदेह नहीं ठहराया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.